INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update

uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-20 | मथुरा, मंगलवार, 17 मार्च 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

सब्जी मंडी में लगी भीषण आग: ट्रांसफार्मर की चिंगारी से लगी आग

सात दुकानें जलकर खाक

- मंडी में मची अफरा-तफरी और भगदड़
- तेज हवा आग से तेजी से फैली
- दुकानों का सामान जलकर राख
- दमकल ने एक घंटे में पाया काबू

मथुरा स्थित सब्जी फल मंडी में ट्रांसफार्मर से निकली चिंगारी से लगी भीषण आग का नजारा।

आग बुझाते दमकल कर्मी।

घटना के बाद मंडी का निरीक्षण करती मंडी सचिव।

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र स्थित सब्जी फल मंडी में आज हुए भीषण अग्निकांड में आधा दर्जन दुकाने धूंधूं कर जल गई। आग की भीषणता को देख सब्जी मंडी में हड़कंप मच गया। आग ने तेज हवा के चलते दुकानों में रखे सामान को अपनी चपेट में ले लिया। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दमकलों ने एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू किया। आग लगने का कारण दुकानों के पीछे लगे बिजली के ट्रांसफार्मर में हुए शॉर्ट सर्किट से निकली चिंगारी बताई जा रही है। मंडी में सब्जी वाली दुकानों के पीछे बिजली का ट्रांसफार्मर लगा हुआ है। उसके आस-पास सब्जी वाले दुकानदारों की बांस की टटियों की कई दुकान है। इन दुकानों में प्याज सहित अन्य सामान भरा हुआ है। सब्जी मंडी में करीब सवा तीन बजे अचानक सब्जी की एक दुकान में आग लग गई। तेज हवा के चलते लोग कुछ समझ पाते इससे पहले आग ने दूसरी दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। दुकानों में लगी आग को देख कर सब्जी मंडी में मौजूद लोगों और दुकानदारों में हड़कंप मच गया। लोग आग बुझाने का प्रयास करने लगे, लेकिन आग तेजी से एक के बाद एक दुकान को अपनी चपेट में लेने लगी। आग ने दुकानों में रखी सब्जी प्याज आदि को जलाना शुरू कर दिया। फायर ब्रिगेड को दमकलों को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दमकलों ने करीब एक घटें की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू किया। आग से सात सब्जी की दुकानों और उसमे रखा हजारों का सामान जल गया। जानकारी के अनुसार आग की लपटों में मुनन हनीफ़ फ्रूट कंपनी, प्रकाश ट्रेडिंग कंपनी, रघुराज एंड कंपनी, राजकुमार सिंह एंड ब्रदर्स, करहरिया एंड सन्स, दिनेश चंद एंड सन्स तथा ऑफिसर कुरैशी केले वाला शामिल हैं।

मथुरा की सड़कों को मिली नई संजीवनी

7.5 करोड़ से सुधरेंगी जिले की सड़कें

विशेष संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। लंबे समय से जर्जर और गड्ढों से भरी सड़कों की समस्या से जूझ रहे मथुरा जनपद को बड़ी राहत मिली है। प्रदेश सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष में राज्य सड़क निधि एवं लोक निर्माण विभाग की योजनाओं के तहत ग्रामीण और शहरी श्रेणियों की सड़कों के नवीनीकरण व मरम्मत के लिए 7.50 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं को प्रशासनिक एवं वित्तीय मंजूरी प्रदान की है। इस निर्णय से जिले के सड़क नेटवर्क में व्यापक सुधार और आवागमन में सुगमता आने की उम्मीद है। लंबे समय से खराब ग्रामीण सड़कों के कारण किसानों, विद्यार्थियों और स्थानीय व्यापारियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। अब तीन प्रमुख ग्रामीण मार्गों के चयन से गांवों को बड़ी राहत मिलेगी। चयनित ग्रामीण सड़कों में खायरा बठैनकलां वाया जलालपुर मार्ग है। इसकी लंबाई 9.60 किमी है। 1.23 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। पीबीएमबी-अडूकी (भैसा) वाया धनगांव मार्ग की लंबाई: 4.85 किमी है। इसके लिए 62 लाख रुपये की राशि स्वीकृत हुई है। झुंडावाई-बिरोना मार्ग की लंबाई: 5.50 किमी है। इसके लिए 56 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

शहरी व प्रमुख मार्गों पर 5.09 करोड़ की सौगात

स्वीकृत शहरी/मुख्य सड़क परियोजनाओं में दिल्ली-कलकत्ता सिटी रोड की लंबाई 0.90 किमी है। इसकी लागत: 58.16 लाख रुपये है। केएनबीजी मार्ग से मथुरा-डींग मार्ग है। इसकी लंबाई 2.90 किमी है। लागत: 258.88 लाख रुपये आएगी। अड़ींग बाईपास मार्ग की लंबाई 1.70 किमी है। लागत 151.76 लाख रुपये होगी। छाता-बरसाना मार्ग (रेल उपरिगामी सेतु) माइक्रो सर्फेसिंग की लंबाई 0.70 किमी है। इसकी लागत 40.67 लाख रुपये है।

सूखे की मार

हिमाचल के सेब कारोबार में भारी गिरावट

छह हजार करोड़ के कारोबार पर गहराया संकट

- तीन महीने से बारिश न होने से बढ़ी परेशानी
- सेब के पौधों में रूट कैंकर रोग का प्रकोप
- बागवानों ने नए पौधों की खरीद रोकी
- कीट और फंगस से बढ़ रहा नुकसान

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में पिछले तीन महीनों से बारिश और बर्फबारी न होने के कारण सूखे जैसे हालात बन गए हैं, जिसका सबसे अधिक असर बागवानी क्षेत्र पर पड़ा है। खासकर सेब उत्पादन, जो राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है, इस समय गंभीर संकट से गुजर रहा है। करीब छह हजार करोड़ रुपये के सेब कारोबार पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं। शिमला जिले के रामपुर, चौपाल, ठियोग, रोहड़ और कुमारसैन क्षेत्रों में नमी की कमी के कारण सेब के पौधों में 'रूट कैंकर' बीमारी तेजी से फैल रही है। मिट्टी में सूखापन बढ़ने से पौधों की जड़ों में दरारें पड़ रही हैं, जिससे फंगस और अन्य रोगों का खतरा बढ़ गया है। इसके चलते कई पौधे सूखने लगे हैं।

सूखे के कारण बागवानों ने नए सेब पौधों की खरीद फिलहाल रोक दी है। दवाइयों और खाद की बिक्री में भी भारी गिरावट दर्ज की गई है। जहां पहले जनवरी में बागवान बड़ी मात्रा में स्प्रे ऑयल, कास्टिंग सोडा और अन्य दवाइयां खरीदते थे, वहीं इस बार बिक्री 25 प्रतिशत तक सिमट गई है। इसके अलावा वूली एफिड, रिंग वॉर्म और स्केल जैसे कीट भी पौधों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार सेब के पेड़ों को अच्छी पैदावार के लिए सर्दियों में 1000 से 1800 घंटे तक 7 डिग्री सेल्सियस से नीचे तापमान की जरूरत होती है, जिसे 'चिलिंग आवर्स' कहा जाता है। बारिश और बर्फबारी इस प्रक्रिया में अहम भूमिका निभाती हैं। लेकिन इस बार पर्याप्त ठंड और नमी न मिलने से उत्पादन पर असर पड़ने की आशंका है।

बागवानी विशेषज्ञों का कहना है कि यदि जल्द ही मौसम में बदलाव नहीं हुआ तो न केवल उत्पादन घटेगा, बल्कि पुराने पौधों को बचाना भी बड़ी चुनौती बन जाएगा। ि

फलहाल बागवानों को बारिश का इंतजार है, क्योंकि यही एकमात्र समाधान नजर आ रहा है।

चेन्नई में कंटेनर के केबिन में थम गईं चालक की सांस

पत्नी से फोन पर घर जल्दी लौटने का नहीं निभा सका वायदा

यूनिक समय, नौहझील। हजारों मील दूर से पत्नी से फोन पर चालक ने घर जल्द लौटने का वायदा तो किया, लेकिन मौत ने उसे वायदा निभाने से पूर्व ही अपने आगोश में ले लिया। पति की मौत की खबर से पत्नी ही नहीं पूरे गांव में शोक का माहौल है। हुआ कुछ .यूं थाना नौहझील के ग्राम मानागढ़ी के रहने वाला मुकेश दिल्ली की एक ट्रांसपोर्ट कंपनी के कंटेनर पर चालक की नौकरी कर रहा था। मुकेश कंटेनर को लेकर चेन्नई माल को खाली करने के लिए गया था। शनिवार रात चेन्नई में सामान खाली करने के बाद उसने पत्नी को फोन कर बताया कि वह जल्द ही गांव आ जाएगा।

फोन पर उसने पत्नी से वायदा तो कर दिया, लेकिन उसे क्या मालूम था कि कुदरत उसके साथ क्या खेल खेलने वाली है। रात को थकान मिटाने के लिए वह कंटेनर के केबिन में सो गया। रविवार की सुबह जब सूरज की पहली किरण के साथ साथियों ने गाड़ी का दरवाजा खटखटाया, तो भीतर से कोई हलचल नहीं हुई। अनहोनी की आशंका में जब खिड़की खोलकर देखा तो मुकेश अचेत अवस्था में पड़ा मिला। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। होली के बाद 5 मार्च को जब मुकेश घर से काम पर लौटा था, तो उनके कंधों पर बेटी रेखा और बेटे मुकुल की पढ़ाई और बेहतर भविष्य की जिम्मेदारी थी। इस धटना से पत्नी रविता देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी मुकेश की मौत से गम का माहौल है। पोस्टमार्टम के बाद मुकेश का शव गांव में आएगा।

राष्ट्रपति के कार्यक्रम पर वृंदावन एवं गोवर्धन का डायवर्जन प्लान

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के वृंदावन और गोवर्धन आगमन को दृष्टिगत रखते हुए 21 मार्च को प्रातः 05.00 बजे प्रोग्राम की समाप्ति तक यातायात व्यवस्था इस तरह रहेगी। पुलिस की प्रेस रिलीज के अनुसार श्रीजी मार्बल्स कट एनएच–19 एवं गोवर्धन चौराहा से कस्बा गोवर्धन की ओर जाने वाले सभी प्रकार के वाहन वीवीआईपी मूवमेन्ट पर पूर्णतः प्रतिबन्धित रहेंगे।

कृष्णानगर बिजलीघर तिराहा से गोवर्धन चौराहा एवं कस्बा गोवर्धन की ओर जाने वाले सभी प्रकार के वाहन वीवीआईपी मूवमेन्ट के समय पूर्णतः प्रतिबन्धित रहेंगे।

मण्डी चौराहा से सौंख रोड पर जाने वाले भारी/कॉमर्शियल वाहन कस्बा गोवर्धन की ओर पूर्णतः प्रतिबन्धित रहेगें । छटीकरा / राल तिराहा से राधाकुण्ड मार्ग पर जाने वाले सभी प्रकार के भारी / कॉमर्शियल एवं बड़ी बसें (प्राइवेट/ रोडवेज) कस्बा गोवर्धन की ओर पूर्णतः प्रतिबन्धित रहेंगी। इसी तरह गोवर्धन की यातायात व्यवस्था रहेगी।

नीमगांव तिराहा से कस्बा गोवर्धन की ओर वीवीआईपी मूवमेन्ट के समय सभी प्रकार के वाहन पूर्णतः प्रतिबन्धित रहेंगे। कुंजीलाल तिराहा से मुखराई की ओर सभी प्रकार के वाहन वीवीआईपी मूवमेन्ट के समय पूर्णतः प्रतिबन्धित रहेंगे। मुखराई / तहसील तिराहा से जमुनाबता बम्बा की ओर वीवीआईपी मूवमेन्ट के समय सभी प्रकार के वाहन पूर्णतः प्रतिबन्धित रहेंगे। महमूदपुर चौराहा से जमुनाबता बम्बा की ओर वीवीआईपी मूवमेन्ट के समय सभी प्रकार के वाहन पूर्णतः प्रतिबन्धित रहेंगे। महमूद पुर चौराहा से राजीव तिराहा / सौख अड्डा की ओर सभी प्रकार के वाहन प्रतिबन्धित रहेंगे। एकता तिराहा / ब्लॉक तिराहा से जमुनापता की ओर वीवीआईपी मूवमेन्ट के समय सभी प्रकार के वाहन पूर्णतः प्रतिबन्धित रहेंगे। राजीव तिराहा से सौंख अड्डा / ब्लॉक तिराहा की ओर वीवीआईपी मूवमेन्ट के समय सभी प्रकार के वाहन पूर्णतः प्रतिबन्धित रहेंगे। डीगअड्डा से दानघाटी मन्दिर की ओर वीवीआईपी मूवमेन्ट के समय सभी प्रकार के वाहन पूर्णतः प्रतिबन्धित रहेंगे। डीग की ओर से डीग अड्डा गोवर्धन की ओर आने वाले सभी वाहन बाईपास तिराहा से प्रतिबन्धित रहेंगे। भरतपुर डींग की ओर से गोवर्धन की ओर भारी/ कॉमर्शियल (ट्रक,ट्रैक्टर, डीसीएम, टाटा 407 आदि) वाहन सभी पूर्णतः प्रतिबन्धित रहेगें। कस्बा गोवर्धन के चारों ओर बने बाईपास से कोई भी वाहन कस्बें के अन्दर प्रवेश नहीं करेगा। सभी मार्गों से कस्बा गोवर्धन की ओर ई–रिक्शा एवं ऑटो पूर्णतः प्रतिबन्धित रहेंगे। इसके साथ ही इलेक्ट्रिक बसें कस्बा गोवर्धन की ओर प्रतिबन्धित रहेंगी। परिक्रमा मार्ग पर सभी प्रकार के वाहन (चार पहिया , ऑटो / ई-रिक्शा, ट्रैक्टर ट्रॉली एवं मोटर साइकिल, स्कूटर आदि) पूर्णतः प्रतिबन्धित रहेंगे। इसके साथ ही वीवीआईपी के आगमन पर मथुरा वृन्दावन में इन सभी प्रतिबन्धों के अलावा फायर सर्विस / एम्बुलेन्स एवं इमरजेन्सी वाहन के लिए आवागमन खुला रहेगा।

तापमान / मौसम

34 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

20 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,58,000

22 कैरेट 1,45,360

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,60,000 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112	-आपातकालीन सेवा
1962	- रेलवे हेल्पलाइन
100	- पुलिस
108	- एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102	- एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101	- अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090	- महिला हेल्पलाइन
1091	- महिला पुलिस सहायता
1098	- चाइल्ड हेल्पलाइन
104	- स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076	- मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033	- राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073	- सड़क दुर्घटना आपात सहायता

झूलेलाल जन्मोत्सव का आगाज

गूंजे नगमें–झूमे सिंधीजन

रक्तदान करने पर छात्रा को सम्मानित करते पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। सिंधी जनरल पंचायत द्वारा चल रहे सिंधी उत्सव पखवाड़े के अंतर्गत स्वामी लीलाशाह की शिक्षाओं से प्रेरित होकर लाड़ी लुहाणा सिंधी पंचायत सोसायटी द्वारा लाइफ केयर ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर लगाया। वहीं कृष्णा ऑर्चिड कॉलोनी में चेटीचंड पर्व का आगाज भी हुआ।

मुख्य संयोजक चंदनलाल आडवानी, संयोजक किशोर इसरानी एवं जितेंद्र लालवानी के नेतृत्व में उन्नति लखवानी, जितेंद्र उतवानी, कृष्णा साधवानी, हरिश उतवानी, तरूण नाजवानी, विजय मंगलानी, लहर केवलानी, मयंक गंगवानी, राहुल केवलानी, परषोत्तम मेठवानी, राजकुमारी केवलानी, चिराग मेठवानी, तुलसीदास, चिराग दासवानी, गिरिश खत्री, अशोक डावरा, कविता भाटिया, संजय लखवानी, सीतादेवी, जितेंद्र खत्री, अजित तथा सिंधी नवयुवक

लाड़ी लुहाणा सिंधी पंचायत सोसायटी ने कराया रक्तदान

स्वामी लीलाशाह की शिक्षाओं से प्रेरित होकर 22 सिंधी युवाओं ने किया रक्तदान

मंडल के अध्यक्ष तरूण लखवानी एवं भाटिया पंचायत के अध्यक्ष जितेंद्र भाटिया ने रक्तदान किया।

सिंधी उत्सव के मुख्य संयोजक रामचंद्र खत्री ने सभी रक्तदाताओं को बधाई दी। लाड़ी लुहाणा सिंधी पंचायत सोसायटी के अध्यक्ष सुरेश मेठवानी, जीवतराम चंदानी, बसंतलाल मंगलानी, कन्हैयालाल भाईजी, सिंधी जनरल पंचायत के अध्यक्ष नारायण दास लखवानी, रामचंद्र खत्री, सुदामा खत्री सहित मुख्य संयोजक चंदनलाल आडवानी, संयोजक किशोर इसरानी एवं जितेंद्र लालवानी ने रक्तदाताओं के उत्साह की सराहना की। ब्लड बैंक के निदेशक ब्रजेश शर्मा तथा राजकुमार ने रक्तदाताओं को सम्मान पत्र तथा उपहार स्वरूप हेलमेट भेंट कराए, वहीं आयोजक मंडल को भी स्मृति चिन्ह प्रदान किए।

मथुरा के कृष्णा ऑर्चिड में सिंधी उत्सव की धूम

यूनिक समय, मथुरा। भगवान झूलेलाल जन्मोत्सव का आगाज मंगलवार को शहर में हो गया। सिंधी जनरल पंचायत के तत्वावधान में चल रहे सिंधी उत्सव की अदभुत झलक गोवर्धन मार्ग स्थित कृष्णा ऑर्चिड में दिखी, जिसमें आयोलाल–झूलेलाल का उद्घोष और सिंधी समाज की प्रसिद्ध डंडेशाही की खनक से स्थानीय निवासी खासे रोमांचित हुए। चेटीचंड पर्व पर मुख्य आयोजन 20 मार्च को है। कृष्णा ऑर्चिड के सिंधी परिवारों के सौजन्य से भगवान झूलेलाल की अमर ज्योति सिंधी पंडित मोहनलाल महाराज द्वारा विधिविधान के साथ प्रज्जवलित कराई गई। तदोपरांत अमर ज्योत की झांकी के साथ सिंधी युवक और युवतियां डंडेशाही का प्रदर्शन करते दिखे। अमर ज्योत का स्थानीय सिंधी परिवारों ने स्वागत व पूजा–अर्चन किया, इसमें अन्य स्थानीय निवासियों ने भी भरपुर उत्साह दिखाया और पुष्प वर्षा कर लालसाई की अमर ज्योत को नमन किया। इसमें कलाकार चंद्रकांत लालवानी की मंडली के सिंधी भजनों की धूम रही, जिसमें सिंधी नवयुवक और महिलाओं के साथ हर कोई झूम उठा।

32 यूनिट रक्तदान से जीवन बचाने का संकल्प

रक्तदान करते विद्यार्थी।

यूनिक समय, मथुरा। किशोरी रमण स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एनएसएस, एनसीसी एवं रोटरी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर में छात्र–छात्राओं ने 32 यूनिट रक्तदान किया। प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रवीण कुमार अग्रवाल ने विद्यार्थियों को रक्तदान के महत्व समझाया। कहा कि रक्तदान एक महान मानवीय सेवा है, जिससे अनेक जरूरतमंद लोगों का जीवन बचाया जा सकता है। प्राध्यापकों, कर्मचारियो एवं छात्र–छात्राओं के साथ राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ अशोक कुमार कौशिक ने भी रक्तदान किया। रोटरी क्लब के समंवयक संचालन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अशोक कुमार कौशिक, डॉ. नवीन अग्रवाल तथा एनसीसी प्रभारी कपिल कौशिक ने किया। इस अवसर पर डॉ. राजेश कुमार सारस्वत, डॉ. अजय कुमार उपाध्याय, देश दीपक, संजय सिंह नितिन, रिंकू, हीरालाल शर्मा, आशुतोष शर्मा, प्रवेश शर्मा एवं पवन कुमार आदि उपस्थित थे।

जगदीश चावला ने विद्यार्थियों की सराहना की। कहा कि युवाओं का यह सहयोग समाज के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। इस अवसर पर रोटरी क्लब के जितेंद्र सिंह, मदन बांगा, अमित गुप्ता, भूपेंद्र अग्रवाल एवं रविंद्र लम्बा ने भी सहयोग प्रदान किया।

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में 656 विद्यार्थी अनुपस्थित

यूनिक समय, मथुरा। सीबीएसई बोर्ड की कक्षा 10 की परीक्षाओं में जिले से अब तक 656 छात्र अनुपस्थित रहे हैं। छात्रों के परीक्षा में न पहुंचने से शिक्षा विभाग और अभिभावकों की चिंता बढ़ गई है। बोर्ड परीक्षा छात्रों के भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण होती है, लेकिन इसके बावजूद काफी छात्र परीक्षा देने नहीं पहुंचे। जानकारी के मुताबिक, कुछ छात्र तैयारी पूरी न होने, डर या अन्य निजी कारणों से परीक्षा में शामिल नहीं हुए। वहीं कुछ छात्र बीमारी की वजह से भी अनुपस्थित रहे होने की संभावना हैं। अगर ऐसे ही छात्र अनुपस्थित रहे तो इसका असर उनके रिजल्ट पर पड़ेगा।

गोविन्द कुंड पर होगा 19 को पौधारोपण कार्यक्रम

यूनिक समय, गोवर्धन। श्रीगोविन्द कुण्ड, आन्योर में श्रीगिरीराजजी की पावन तलहटी में गुरुवार को वृक्षारोपण महोत्सव होने जा रहा है। यह आयोजन वल्लभ सम्प्रदाय के आचार्य, पू. गोस्वामी श्रीप्रशान्तकुमारजी महाराज (बृहन्मन्दिर–मुम्बई) की प्रेरणा से गीत सङ्गीत सागर ट्रस्ट (मुम्बई) के तत्वावधान में होगा।

यदुवंशी जादौन समाज का होली मिलन समारोह

यूनिक समय, गोवर्धन। छोटी परिक्रमा स्थित यदुवंश जादौन धर्मशाला पर यदुवंशी जादौन समाज का होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में यदुवंश जादौन समाज के दूर–दूर से बड़ी संख्या में एवं 52 गांव की समाज के लोग शामिल हुए। सांस्कृतिक कार्यक्रम व भजन भी हुए। समाज के प्रतिभा शाली बच्चों को सम्मानित किया। संचालन सतीश कुमार ने किया।

एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए नया नियम लागू

गैस उपभोक्ता के लिए आधार केवाईसी अब अनिवार्य

विशेष संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। देश में घरेलू गैस उपभोक्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। अब सभी एलपीजी कनेक्शन धारकों को आधार आधारित ई–केवाईसी कराना अनिवार्य कर दिया गया है। यदि कोई उपभोक्ता यह प्रक्रिया समय पर पूरी नहीं करता है, तो उसे गैस सिलेंडर बुकिंग और सब्सिडी से जुड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। सरकार का यह निर्णय गैस वितरण प्रणाली को पारदर्शी और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से लिया गया है। कई मामलों में यह सामने आया था कि कुछ लोग एक से अधिक गैस कनेक्शन लेकर सब्सिडी का गलत लाभ उठा रहे थे। ई–केवाईसी के माध्यम से फर्जी और डुप्लीकेट कनेक्शन की पहचान कर उन्हें समाप्त

किया जा सकेगा। इससे ब्लैक मार्केटिंग पर भी रोक लगेगी और वास्तविक लाभार्थियों तक ही सब्सिडी पहुंच सकेगी। ई–केवाईसी एक डिजिटल प्रक्रिया है, जिसमें उपभोक्ता अपनी पहचान को आधार के माध्यम से सत्यापित करता है। इसमें बायोमेट्रिक या चेहरे की पहचान के जरिए सत्यापन किया जाता है। इससे गैस कंपनियों का

आधार केवाईसी से खत्म होंगे फर्जी कनेक्शन

घर बैठे मोबाइल से करें पूरी प्रक्रिया

समय पर केवाईसी नहीं हुई तो होगी परेशानी

रिकॉर्ड अपडेट होता है और उपभोक्ता की जानकारी सही तरीके से दर्ज रहती है। अच्छी बात यह है कि इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए अब गैस एजेंसी जाने की जरूरत नहीं है। उपभोक्ता अपने मोबाइल फोन के जरिए ही यह प्रक्रिया आसानी से पूरी कर सकते हैं। इसके लिए गैस कंपनी का मोबाइल अनुप्रयोग डाउनलोड कर लॉगिन करना होगा और 'ई–केवाईसी' विकल्प चुनकर आधार सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

ई–केवाईसी करते समय आधार कार्ड, उपभोक्ता संख्या, मोबाइल नंबर और बैंक खाते की जानकारी तैयार रखना जरूरी है। यह प्रक्रिया पूरी तरह निःशुल्क है और कुछ ही मिनटों में पूरी हो जाती है। यदि कोई उपभोक्ता समय पर ई–केवाईसी नहीं कराता है, तो उसे गैस बुकिंग में दिक्कत, सब्सिडी में देरी या अस्थायी रोक जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में सभी उपभोक्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे जल्द से जल्द यह प्रक्रिया पूरी कर लें, ताकि भविष्य में किसी भी असुविधा से बचा जा सके।

डीजे ने जारी किए निरीक्षक के खिलाफ एनबीडब्ल्यू

यूनिक समय, मथुरा। जिला जज विकास कुमार ने मुकदमे में गवाही देने के लिए कोर्ट में तारीख पर तारीख दिए जाने के बाद भी निरीक्षक नीरज सिंह भाटी के हाजिर न होने पर उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर 24 मार्च को एसएसपी मेरठ को कोर्ट में पेश करने के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही कोषाधिकारी को उनका वेतन रोकने के भी इसकी प्रतिलिपि भेजी है। जिला सत्र न्यायाधीश विकास कुमार की अदालत में थाना शेरगढ़ के राज्य बनाम डालू उर्फ डालचंद में तत्कालीन निरीक्षक नीरज सिंह भाटी को मुकदमे में उन्हें साक्ष्य हेतु कई बार बुलाया गया। इसके बाद भी निरीक्षक साक्ष्य देने के लिए न्यायालय में उपस्थित नहीं हुए। इस मुकदमे में अन्य गवाहों की गवाही हो चुकी है। निरीक्षक के लगातार कोर्ट में हाजिर न होने के कारण जिला जज ने निरीक्षक के

24 मार्च को निरीक्षक को कोर्ट में पेश करने को एसएसपी को दिए आदेश

कोर्ट में गवाही न देने तक वेतन न देने के भी दिए आदेश

खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए उनके खिलाफ एनबी डब्ल्यू जारी किया है। एसएसपी मेरठ को निरीक्षक के खिलाफ जारी एनबी डब्ल्यू की प्रतिलिपि के साथ उन्हें अभिरक्षा में 24 मार्च की तारीख पर कोर्ट में पेश करने को कहा गया है। इसके साथ ही निरीक्षक का वेतन को तब तक के लिए रोका जाए, जब तक कि वह इस मामले में साक्ष्य न दे दे। आदेश की एक प्रति कोषाधिकारी मेरठ को भी प्रेषित की गई है।

सामूहिक बलात्कार में शामिल दो युवक मुठभेड़ में गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। थाना मांट पुलिस ने पति से झगड़ा कर घर से आई एक महिला को बहलाकर ले जाने के बाद सामूहिक बलात्कार करने वाले दो युवकों को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान एक युवक पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया। घायल को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया है।

सीओ मांट ने बताया कि 14 मार्च को यमुना के पौंटून पुल के समीप पति से झगड़ा कर आई एक महिला को दो युवक घर छोड़ने के बहाने बाइक पर बिठा कर ले गए। इन युवकों ने महिला के साथ जंगल में ले जाकर दुराचार किया। इसके बाद महिला को छोड़ कर भाग गए थे। महिला ने इसके चलते

मुठभेड़ में घायल युवक को ले जाती पुलिस।

एक युवक के पैर में लगी पुलिस की गोली

मौके से दोनों अभियुक्त गिरफ्तार, देशी तमंचा करतूस मिले

आत्महत्या का प्रयास किया था, लेकिन उसे पुलिस ने बचा लिया था। इस मामले में महिला के साथ हुए सामूहिक दुराचार की रिपोर्ट थाना मांट में दर्ज कराई गई थी। पुलिस दुराचार करने वालों की तलाश कर रही थी। मांट थाने की गश्ती पुलिस को सूचना मिली कि महिला के साथ दुराचार करने वाले दोनों अभियुक्त अरूआ खादर राधारानी अंडर पास से डांगोली की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते पर हैं। पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर उनकी घेराबंदी की। वहां सुरेश हाथरस वाले के प्लॉट के समीप अभियुक्तों से पुलिस की मुठभेड़ हो गई। पुलिस पर अभियुक्तों की ओर से गोली चलाई गई, जवाब में पुलिस ने भी गोलियां चलाई। पुलिस की गोली एक युवक के पैर में लगी। पुलिस ने घटना स्थल से घायल अभियुक्त राजकुमार निवासी ग्राम बेगमपुर थाना मांट व उसके साथी दुर्गेश निवासी बेगमपुर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को राजकुमार के पास से एक देशी तमंचा करतूस भी मिले हैं।

पीएसी के मुख्य आरक्षी की हार्ट अटैक से हुई मौत

यूनिक समय, मथुरा। शेरगढ़ क्षेत्र में ड्यूटी के दौरान पीएसी में तैनात एक मुख्य आरक्षी की हृदयगति रुक जाने के कारण मौत हो गई। सीओ ने मुख्य आरक्षी की मौत के बारे में परिवार को सूचना दे दी है। पुलिस के अनुसार अलीगढ़ की 38 वीं बटालियन पीएसी में तैनात मुख्य आरक्षी निसार अहमद की थाना शेरगढ़ के पैगांव में 10 फरवरी से ड्यूटी लगी हुई थी। रात को अचानक मुख्य आरक्षी की हालत खराब हुई। साथियों को जैसे ही इस बात का पता लगा तो तुरंत उन्हें केडी हॉस्पिटल ले जाया गया। हॉस्पिटल में डॉक्टरों ने उन्हें चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। इस बात की आशंका जाहिर की जा रही है कि उनकी मौत हार्ट अटैक आने के कारण हुई। पुलिस अधिकारियों को भी जब मुख्य

पोस्टमार्टम के बाद शव को एम्बुलेंस से पैतृक गांव भेजा गया

आरक्षी की हॉस्पिटल में हुई मृत्यु का पता लगा तो पुलिस और पीएसी के अधिकारी भी वहां पहुंच गए। पुलिस ने मुख्य आरक्षी निसार अहमद के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। निसार अहमद मूल रूप से गांव सलेमपुर जिला देवरिया के रहने वाले थे। सीओ ने बताया कि उनके परिवार को इस दुखद हादसे के बारे में बता दिया गया है। पोस्टमार्टम के पश्चात मुख्य आरक्षी के शव को अंतिम सलामी देने के बाद एम्बुलेंस से उनके पैतृक गांव भेज दिया गया है जहां उनका अतिंम संस्कार किया जाएगा।

ट्रक की टंकी में वैल्डिंग के दौरान भड़की आग

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, आगरा। हरीपर्वत थाना क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट नगर में मंगलवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक ट्रक की टंकी पर बैल्डिंग करते समय अचानक आग भड़क उठी। हादसे में वैल्डिंग का काम कर रहा कारीगर गंभीर रूप से झुलस गया। उसे तत्काल एसएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रांसपोर्ट नगर स्थित एक वर्कशॉप में खराब पड़े ट्रक की मरम्मत का काम चल रहा था। इसी दौरान ककरैठा निवासी वासुदेव ट्रक की टंकी पर वैल्डिंग कर रहा था। बताया जा रहा है कि बैल्डिंग के दौरान अचानक टंकी के अंदर आग भड़क उठी और देखते ही देखते लपटें तेज हो गईं। आग की चपेट में आने से वासुदेव गंभीर रूप से झुलस गया। घटना के बाद

कारीगर गंभीर रूप से झुलसा

मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत आग बुझाने की कोशिश की। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। घायल वासुदेव को तत्काल एसएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। फिलहाल उसकी हालत को लेकर विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर माना जा रहा है कि टंकी में मौजूद ज्वलनशील गैस या अवशेष के कारण वैल्डिंग के दौरान आग भड़की। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि मरम्मत के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन किया जा रहा था या नहीं।

नवरात्र में कैला देवी करौली के लिए विशेष ट्रेन सुविधा

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। नवरात्र में कैला देवी मेला में करौली पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 16 से 31 मार्च तक कासगंज-मथुरा ट्रेन (55335-36) को गंगापुर तक चलाया जाएगा। इसके अलावा 19 मार्च से एक अप्रैल तक आगरा फोर्ट-गंगापुर के बीच अनारक्षित स्पेशल ट्रेन का संचालन भी किया जाएगा। यह ट्रेन दोनों ओर से 14-14 फेरे करेगी। गाड़ी संख्या 55335/55336 कासगंज से सुबह 11.05 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन शाम 6.20 बजे गंगापुर पहुंचेगी। वापसी में गंगापुर से यह ट्रेन शाम 7 बजे रवाना होकर, रात 12.30 बजे कासगंज पहुंचेगी। रास्ते में यह ट्रेन भरतपुर, बयाना, हिंडौन और श्रीमहावीर जी स्टेशनों पर भी ठहरेगी। आगरा-गंगापुर ट्रेन संख्या 01962 आगरा से शाम 5 बजे रवाना होकर रात 10.05 बजे गंगापुर पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 01961 गंगापुर से रात 10.50 बजे रवाना होकर सुबह 6.30 बजे आगरा पहुंचेगी। रास्ते में यह ट्रेन ईदगाह, पथौली, मिरहाकुर, किरावली, सिंगारपुर, फतेहपुर सीकरी, औलेंडा, रूपबास, धाना खेड़ली, बंसी पहाड़पुर, नागलातुला, बांध बरेटा, बिरामबाद, बयाना, डुमरिया, फतेह सिंहपुरा, हिंडौन सिटी, श्री महावीरजी, खांडीप, पिलौदा तथा छोटी ओदई स्टेशनों पर भी ठहरेगी। इस ट्रेन में 10 सामान्य श्रेणी सहित कुल 12 डिब्बे होंगे।

गोवर्धन-वेहज स्टेशन के मध्य फाटक बंद कर सड़क यातायात डायवर्ट होगा

यूनिक समय, मथुरा। आगरा मंडल के मथुरा-अलवर रेल खण्ड स्थित गोवर्धन-वेहज स्टेशन के मध्य फाटक संख्या 32(किमी 1430/6-7) को स्थाई रूप से बंद किया जा रहा है। फाटक संख्या 32 को 25 मार्च से सड़क यातायात बंद रहेगा। रेल प्रशासन द्वारा गेट बन्द होने के कारण रेल सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए समपार सं-32 से गुजरने वाले वाहनों को समपार संख्या 31 से डायवर्ट किया जायेगा।

सख्ती के बावजूद राया में नही थम रहा अवैध मिट्टी खनन का खेल

यूनिक समय, राया (मथुरा)। जिलाधिकारी के आदेश पर भी राया क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन का खेल थम नही रहा है। प्रशासन की शिथिलता से मिट्टी खनन माफियाओं के हौसले बुलंद है। रात्रि के दौरान खनन माफिया जेसीबी और ट्रैक्टर ट्रॉलिया डंपर आदि से मिट्टी खनन कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि भारी वाहनों के कारण गांव की सड़कें क्षतिग्रस्त हो रही है। जिसकी शिकायत ग्रामीणों ने प्रशासन से की है। लेकिन अवैध कारोबारियों के खिलाफ कार्यवाही न होने पर उनके हौसले बुलंद है। लोगों ने जिलाधिकारी से खनन माफियाओं के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की है।

गैस सिलेंडर की किल्लत से जिले की महिलाएं चूल्हा जलाने को मजबूर

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच चल रहे तनाव का असर अब जिले की रसोई तक पहुंच गया है। जिले में घरेलू गैस सिलेंडर की सप्लाई गड़बड़ा गई है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा दिक्कत महिलाओं को हो रही है, क्योंकि रसोई का पूरा काम प्रभावित हो गया है। शहर से जुड़े ग्रामीण इलाकों में हालात ज्यादा खराब हैं। कई जगहों पर लोगों को समय पर गैस सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में महिलाएं फिर से पुराने तरीके अपनाने को मजबूर हो गई हैं। गांवों में गोबर के उपले बनाए जा रहे हैं, ताकि चूल्हे पर खाना बनाया जा सके। महिला ने नाराजगी जताते हुए कहा, "सिलेंडर नहीं आएगा तो घर में खाना कैसे बनेगा। बच्चे क्या खाएंगे दूसरी महिला बोली ऐसा लग रहा है जैसे फिर से पुराने जमाने में लौटना पड़ेगा, जब चूल्हे पर ही खाना बनता था। शहर में भी हालात कुछ अलग नहीं हैं। गैस एजेंसियों पर लोगों की भीड़ लगी हुई है। उपभोक्ता बार-बार एजेंसी के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उन्हें सिर्फ इंतजार करने की सलाह दी जा रही है। कई लोगों का कहना है कि बुकिंग के कई दिन बाद भी सिलेंडर की डिलीवरी नहीं हो रही है। उधर नंबर लगा रहे है, तो पूरे दिन मोबाइलों में लगे रहते है कब नंबर लग जाए लेकिन इसको लेकर काफी परेशान कुछ उपभोक्ता रात में भी नंबर लगाते हैं। उसके बाद भी नंबर नहीं लगता है। गैस सिलेंडर की कमी ने आम लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। अगर जल्द सप्लाई ठीक नहीं हुई, तो लोगों को मजबूरी में चूल्हे का सहारा लेना पड़ेगा।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-2420150,

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

जिले में 18 मार्च से शुरू होगी बोर्ड कॉपियों की जांच

दो केंद्रों पर कड़ी निगरानी में जांची जाएंगी लाखों कॉपियां

यूपी बोर्ड की उत्तर पुस्तिकाओं के लिए बना जांच केंद्र राजकीय इंटर कॉलेज।

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाएं संपन्न होने के बाद अब जिले में 18 मार्च से उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन का कार्य शुरू होने जा रहा है। इसके लिए प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। जिले में इस बार दो प्रमुख केंद्रों पर लाखों कॉपियों की जांच की जाएगी, जहां बड़ी संख्या में परीक्षक और निगरानी कर्मी तैनात रहेंगे। हाईस्कूल की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए जीआईसी इंटर कॉलेज को केंद्र बनाया गया है। यहां कुल 2 लाख 38 हजार 497 कॉपियों की जांच की जाएगी। इस कार्य को पूरा करने के लिए 1245 परीक्षकों की तैनाती की गई है। इसके अलावा 128 उप प्रधान परीक्षक और 64 अंकेक्षक भी लगाए गए हैं, जो मूल्यांकन प्रक्रिया की निगरानी करेंगे। वहीं इंटरमीडिएट की कॉपियों के मूल्यांकन के लिए केआर इंटर कॉलेज को केंद्र बनाया गया है।

इस केंद्र पर 784 परीक्षक तैनात किए गए हैं। इनके साथ 84 उप प्रधान परीक्षक और 42 अंकेक्षक भी लगाए गए हैं, जो मूल्यांकन कार्य को पूरा करेंगे। मूल्यांकन केंद्रों पर व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन ने अतिरिक्त सतर्कता बरती है। दोनों केंद्रों पर लगभग 500 कर्मचारियों का रिजर्व स्टाफ भी रखा गया है, जिसे आवश्यकता पड़ने पर तुरंत कार्य में लगाया जा सकेगा। इसके साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को भी मजबूत किया गया है, ताकि मूल्यांकन प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष हो। जिला विद्यालय निरीक्षक रवींद्र कुमार सिंह ने बताया कि कॉपियों की जांच के दौरान सख्त नियम लागू रहेंगे। किसी भी बाहरी व्यक्ति को केंद्र के अंदर प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। साथ ही मूल्यांकन कार्य में लगे शिक्षक और कर्मचारी भी मोबाइल फोन लेकर अंदर नहीं जा सकेंगे। इससे गोपनीयता और पारदर्शिता बनी रहेगी।

मूल्यांकन कार्य शुरू होने से पहले सभी केंद्रों पर परीक्षकों और संबंधित स्टाफ की बैठक आयोजित की गई, जिसमें उन्हें दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि हर उत्तर पुस्तिका का निष्पक्ष और सावधानीपूर्वक मूल्यांकन किया जाए, ताकि किसी भी छात्र के साथ अन्याय न हो। उन्होंने कहा कि समय के भीतर कॉपियों की जांच पूरी कर ली जाए, जिससे परीक्षा परिणाम भी समय पर घोषित किए जा सकें।

हजारों परीक्षक रहेंगे तैनात

सख्त सुरक्षा व्यवस्था लागू

मोबाइल फोन पर रहेगा प्रतिबंध

मीटिंग में मासूम के साथ पहुंची शिक्षिका जिम्मेदारी और ममता की दिखी मिसाल

यूनिक समय, मथुरा। जीआईसी इंटर कॉलेज में आज बोर्ड कॉपियों के मूल्यांकन से पहले आयोजित बैठक में एक भावुक दृश्य देखने को मिला, जब एक शिक्षिका अपने छोटे बच्चे को साथ लेकर बैठक में पहुंचीं। जानकारी के अनुसार, पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण शिक्षिका बच्चे को साथ लेकर पहुंची।

सीएमओ कार्यालय पर धरना देते सीएचओ।

सीएमओ कार्यालय पर सीएचओ का धरना दूसरे दिन भी जारी

यूनिक समय, मथुरा। एसोसिएशन ऑफ कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स, उत्तर प्रदेश के बैनर तले सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) का अनिश्चितकालीन धरना दूसरे दिन भी सीएमओ कार्यालय पर जारी रहा। तीन सूत्रीय मांगों को लेकर सीएचओ लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और शीघ्र समाधान की मांग कर रहे हैं। धरना स्थल पर बड़ी संख्या में सीएचओ एकत्र हुए और अपनी समस्याओं को लेकर नारेबाजी की।

समीक्षा बैठक में अनियमितताओं पर सख्ती: बैठक में उठे कई अहम मुद्दे

यूनिक समय, मथुरा। नगर निगम, जिला पंचायत और विकास प्राधिकरणों की कार्यप्रणाली को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सभापति कुंवर महाराज सिंह ने विभागीय प्रगति, अनियमितताओं और जनसुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

समीक्षा के दौरान नगर निगम मथुरा-वृंदावन के अंतर्गत संचालित इंटर कॉलेजों में शिक्षकों की कमी उजागर हुई। कई पद रिक्त होने से शिक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है। वहीं निगम के 462 वाहनों में से 95 खराब पाए गए, जिससे कार्य संचालन पर असर पड़ रहा है। पिछले पांच वर्षों में 204 कॉलोनियां निगम को हस्तांतरित की गई हैं, लेकिन 119 पार्कों से कोई आय नहीं हो रही है। जिला पंचायत द्वारा संचालित 73 हाट बाजारों से सीमित आय हो रही है, जबकि 1030 तालाबों में से 725 का पट्टा किया जा चुका है।

बैठक में अतिक्रमण हटाने, कचरा प्रबंधन सुधारने, वृक्षारोपण बढ़ाने और विकास कार्यों की निगरानी मजबूत करने के निर्देश दिए गए। बैठक में सभापति कुँवर महाराज सिंह, नगर आयुक्त जग प्रवेश, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. श्रीमती पूजा गुप्ता, जिला पंचायत राज अधिकारी धनंजय जायसवाल, जिला विकास अधिकारी श्रीमती गरिमा खरे, एमएलसी योगेश नौहवार, ओम प्रकाश सिंह, सदस्य विजय बहादुर पाठक एवं पवन कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

नवरात्र से शुरू होगा टीकाकरण अभियान

बेटियों को मिलेगा सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षा कवच

विशेष संवाददाता

यूनिक समय, आगरा। 23 मार्च से 14-15 साल की किशोरियों के लिए सबसे बड़ा स्वास्थ्य अभियान शुरू हो रहा है। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) वैक्सीन के माध्यम से सर्वाइकल कैंसर से बचाव करेगा। पहले चरण में 13,940 बेटियों को वैक्सीन लगाई जाएगी, जिससे उन्हें गंभीर बीमारी से सुरक्षा मिल सकेगी। जिले में कुल 14-15 साल की 55,787 किशोरियां हैं। शहर में महिला जिला अस्पताल, जिला अस्पताल और एसएन मेडिकल कॉलेज केंद्र वैक्सीन के लिए तैयार किए गए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में 15 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर यह सुविधा उपलब्ध होगी। सीएमओ डॉ. अरुण श्रीवास्तव ने कहा कि नवरात्र में शक्ति स्वरूपा बेटियों को इस एंटी सर्वाइकल कैंसर टीके के माध्यम से सुरक्षा कवच की सौगात दी जा रही है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. उपेंद्र कुमार ने बताया कि वैक्सीन अमेरिकी कंपनी की है और इसे पंजीकरण कराकर ही लगाया जाएगा। किशोरियां आधार कार्ड लेकर सीधे स्वास्थ्य केंद्र पर पंजीकरण करा सकती हैं। इसके अलावा, ऑनलाइन पंजीकरण भी किया जा सकता है। एसएन मेडिकल कॉलेज के कैंसर विभाग की डॉ. सुरभि गुप्ता ने बताया कि महिलाओं में स्तन कैंसर के बाद सर्वाइकल कैंसर दूसरी सबसे आम बीमारी है। बीते साल जिले में कैंसर के 1,911 मरीज आए, जिनमें 238 सर्वाइकल कैंसर और 398 स्तन कैंसर के मामले थे। अधिकांश मरीज अंतिम चरण में पहुंचे थे। इस वैक्सीन से किशोरियों को भविष्य में इस गंभीर बीमारी से बचाव मिलेगा। स्वास्थ्य विभाग का यह अभियान बेटियों के लिए सुरक्षा और जागरूकता दोनों का संदेश है। नवरात्र के पावन अवसर पर इसे शक्ति का प्रतीक मानते हुए बेटियों को टीका लगाकर उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है।

14-15 साल की बेटियों को मिलेगा एचपीवी वैक्सीन

पहले चरण में 13,940 किशोरियों को लगेगा टीका

ऑनलाइन और केंद्रों पर दोनों तरीके से पंजीकरण संभव

आम आदमी के मुद्दे गायब

जनता परेशान, सिस्टम फेल

राज्यसभा में राघव चड्ढा ने उठाया सवाल

कर्ज नहीं लिया, फिर भी लोन कॉल्स रोजाना क्यों!

बैंकिंग डेटा लीक और बढ़ते साइबर फ्रॉड पर सरकार से जवाब तलब

यूनिक समय, मथुरा। मोबाइल फोन आजकल सिर्फ बातचीत का माध्यम नहीं रहा, बल्कि "अनचाहे ऑफरों की घंटी" भी बन गया है। घर वाले हाल-चाल पूछें या न पूछें, लेकिन क्रेडिट कार्ड, पर्सनल लोन और फ्लैट बेचने वालों के फोन रोज पूछते हैं- "सर, आपका लोन अप्रूव हो गया है।" कई लोग तो मजाक में कहते हैं कि बैंक को शायद हमारी जरूरतों से ज्यादा हमारी जेब का ख्याल है। मामला मज़ाक का जरूर लगता है, लेकिन इसके पीछे एक गंभीर सच्चाई छिपी है-डेटा की चोरी और साइबर फ्रॉड। इसी मुद्दे को लेकर राज्यसभा में सांसद राघव चड्ढा ने प्रश्न उठाते हुए सरकार से पूछा कि आखिर आम लोगों का निजी डेटा बार-बार कैसे लीक हो रहा है और इसका फायदा मार्केटिंग कंपनियां तथा साइबर अपराधी कैसे उठा रहे हैं। बैंकिंग सेक्टर में डिजिटल फ्रॉड की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2023 में करीब 75,800 साइबर फ्रॉड की शिकायतें दर्ज हुईं, लेकिन 2024 आते-आते यह संख्या बढ़कर लगभग 2,92,000 तक पहुंच गई। यानी एक साल में करीब 285 प्रतिशत की बढ़ोतरी। इन घटनाओं में लोगों को करीब 2100 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। सबसे ज्यादा शिकायतें यूपीआई से जुड़े फ्रॉड की सामने आई हैं। सवाल यह भी उठता है कि आखिर हमारा डेटा मार्केटिंग कंपनियों और लोन एजेंटों तक पहुंचता कैसे है? जब कोई व्यक्ति बैंक में खाता खुलवाता है, तो वह भरोसे के साथ अपना पैन नंबर, पता, जन्मतिथि और कई निजी जानकारियां देता है। लेकिन समय-समय पर सामने आई घटनाएं इस भरोसे पर सवाल खड़े करती हैं।

उदाहरण के तौर पर 2019 में करीब 30 लाख बैंक खातों से जुड़ा डेटा लीक होने की खबर सामने आई थी। 2021 में एक डिजिटल वॉलेट कंपनी का लगभग 8.2 टेराबाइट केवाईसी डेटा इंटरनेट पर पहुंच गया। उसी साल एक पेमेंट गेटवे से लगभग 10 करोड़ कार्ड ट्रांजेक्शन रिकॉर्ड भी लीक होने की चर्चा रही। अब यह डेटा चोरी है, सिस्टम की कमजोरी है या अनजाने में डेटा शेयरिंग-इसका फैसला विशेषज्ञ करें। लेकिन आम आदमी के लिए सच्चाई यही है कि उसका फोन लगातार बजता रहता है और हर कॉल कहती है-"सर, बस एक छोटा सा लोन ले लीजिए।"

यूनिक समय के प्रिय पाठकों, सादर नमस्कार! हमने "आम आदमी के मुद्दे" का कालम शुरू किया है, जहां आपकी आवाज़ को मिलेगा पूरा सम्मान। यदि आपके पास कोई समस्या या मुद्दा है, तो हमें व्हाट्सएप नंबर 83949 83366 पर भेजें।

आपकी बात, हमारी जिम्मेदारी-अब हर आवाज़ बनेगी खबर!

सरस्वती शिक्षा परिषद, मथुरा

REQUIRES

Principal (Female)

For highly reputed CBSE School Shriji Baba Saraswati Balika Vidya Mandir, Govardhan Road, Mathura
Qualification: Post Graduate with B.Ed/M.Ed.(Ph.D preffered) with minimum 5 years experience as PGT in a CBSE School. Candidate must be fluent in English and capable of Administration, Academics, co-scholastic activities and sports.
Salary: Negotiable as per qualification and experience.

Faculty

P.G.T - Physics (Female) - (01), Physical Education (Female) - (02) Chemistry (Female) - (01) T.G.T - Maths (Female) - (02) Social Science (Female) - (01) Computer/Robotics (Female) - (01) T.G.T. :- Scocial Science (Male) - (01) T.G.T. :- Maths (Male) - (01)
Eligibility/Qualification: P.G.T/T.G.T :- Having Master Degree With B.Ed with at least 03 Years Experience.
Accountant :- (01) Having Master Degree with knowledge of Account on Tally & Computer.
Lab Assistant (01) (PCB) - Graduation with (PCB/PCM) & having Basic knowledge of Computer.
Salary: Negotiable as per qualification and experience.

complete Biodata with recent photograph and self attested copies of documents at- E mail:- sjb_vidyamandir@yahoo.com
Applications may also be submitted in Venue school office between 9:00 AM - 2:00 PM Walk-in-Interview and Written Test: 31 March 2026, at 09:30 AM (Bring original certificates)

Venue :- Shriji Baba Saraswati Vidya Mandir, Goverdhan Road, Mathura Mob: 7017772057, 7017326965
Prof. (Dr.) Rampratap Singh, Secretary

जीएलए के छात्र रौनक उपमन्यु दिल्ली आईआईटी में लगातार पांचवी बार जीते

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय के विधि संकाय के अंतिम वर्ष के प्रतिभाशाली छात्र रौनक उपमन्यु ने राष्ट्रीय स्तर पर जीएलए की श्रेष्ठ विधि शिक्षा, प्रशिक्षण और शैक्षणिक गुणवत्ता की ऐसी छाप छोड़ी है, जो एक मिसाल बनी है। छात्र रौनक ने अब तक देशभर के प्रतिष्ठित आईआईटी दिल्ली में पांचवीं बार लगातार एमयूएन जीत कर श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। विदित रहे कि इसी सप्ताह रौनक ने दिल्ली विश्वविद्यालय के मेडिकल कॉलेज में भी युवा संसद को जीतकर ब्रज का नाम रोशन किया, आईआईएम और शीर्ष विश्वविद्यालयों में आयोजित 528 बहस प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया है। इनमें वे 218 प्रमुख डिबेट प्रतियोगिताओं में जज भी रहे तथा 15 प्रतियोगिताओं को खुद रौनक उपमन्यु ने ऑर्गेनाइजेशन किया और सैकड़ो प्रतियोगिताओं में बहस करते हुए 267 बार प्रथम स्थान हासिल कर वे देश के पहले ऐसे छात्र–डिबेटर बन गए हैं, जिन्होंने इतनी बड़ी संख्या में शीर्ष स्थान प्राप्त करते हुए नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया है। यह उपलब्धि न केवल जीएलए विश्वविद्यालय, बल्कि संपूर्ण ब्रज क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। रौनक ने 295 प्रतियोगिताओं में भाग लेकर 267 में प्रथम पुरस्कार जीतकर यह सिद्ध किया कि कठिन परिश्रम, तर्कशक्ति और वक्तृत्व कौशल का समन्वय सफलता का वास्तविक आधार है।

रौनक उपमन्यु ने देश की कई राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका भी निभाई। दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज में आयोजित एक प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर उन्हें केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया। इसके अलावा इंदौर इंस्टिट्यूट ऑफ लॉ, आईआईटी दिल्ली तथा इंडियन नेशनल कांग्रेस द्वारा आयोजित युवा संसद प्रतियोगिता में भी वे प्रथम स्थान पर रहे, जहां उन्हें पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, वरिष्ठ नेता

जीएलए विश्वविद्यालय विधि संकाय के छात्र रौनक उपमन्यु को शुभकामनाएं देते कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता। साथ हैं डीन प्रो. सोमेश धमीजा।

रणदीप सुरजेवाला एवं सांसद राजीव शुक्ला द्वारा सम्मानित किया गया। इस वर्ष रौनक ने दिल्ली आईआईटी संस्थान, इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अगरतला, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय), एमिटी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की, दौलत राम कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय), स्वामी श्रद्धानंद कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय), यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज (दिल्ली विश्वविद्यालय), पंजाब विश्वविद्यालय में एबीवीपी के अध्यक्ष गौरव वीर सोहल ने श्री उपमन्यु को विजेता शील्ड प्रदान की, दो महीने में 13 प्रथम पुरस्कार जीतकर अपनी असाधारण दक्षता सिद्ध की है। इन

जीएलए विश्वविद्यालय विधि संस्थान के छात्र ने 528 डिबेट में भाग लिया

प्रतियोगिताओं में जीएलए विधि के छात्र की इस उपलब्धि से यह स्पष्ट होता है कि जीएलए विश्वविद्यालय का विधि संकाय न केवल पाठ्यक्रम–आधारित शिक्षा देता है, बल्कि विद्यार्थियों में विश्लेषण क्षमता, तार्किक सोच, बहस–कौशल, संविधानिक समझ और न्यायिक दृष्टि विकसित करने पर विशेष ध्यान देता है। विश्वविद्यालय में नियमित मूट कोर्ट, शोध–आधारित विधि अध्ययन, व्यावहारिक प्रैक्टिस सत्र तथा अनुभवी प्राध्यापकों के मार्गदर्शन ने रौनक जैसे छात्रों को राष्ट्रीय स्तर पर चमकने की मजबूत नींव दी है। जीएलए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता ने बधाई देते हुए कहा कि रौनक उपमन्यु ने अपने कठिन परिश्रम, आत्मविश्वास और अद्भुत वक्तृत्व कौशल से न केवल जीएलए विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया है, बल्कि ब्रजभूमि को भी राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि जीएलए की उच्च गुणवत्ता वाली विधि शिक्षा और समर्पित संकाय विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर प्रदान करता है, और रौनक की उपलब्धि इसका सशक्त प्रमाण है। वहीं विधि संकाय के डीन प्रो. सोमेश धमीजा ने कहा कि छात्र की सफलता विधि शिक्षा, युवा संसद और डिबेटिंग परंपरा के लिए एक स्वर्णिम अध्याय है। उन्होंने कहा कि जीएलए का अनुसंधान–आधारित शिक्षण, केस–स्टडी मॉडल, कानूनी विश्लेषण क्षमता और प्रायोगिक प्रशिक्षण छात्रों को राष्ट्रीय मंचों पर आगे बढ़ने में अत्यंत सहायक है। रौनक का यह रिकॉर्ड पूरे छात्र समुदाय के लिए प्रेरणादायी उदाहरण है। रौनक उपमन्यु, एनयूजेआई के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा ब्रज प्रेस क्लब के अध्यक्ष डॉ. कमलकांत उपमन्यु एडवोकेट के सुपुत्र हैं।

रतनलाल स्कूल में शिक्षकों को तनाव प्रबंधन के प्रभावी उपाय बताए

यूनिक समय, मथुरा। रतनलाल स्कूल में शिक्षकों की कार्य क्षमता और शिक्षण कौशल को बेहतर बनाने के उद्देश्य से स्ट्रेस मैनेजमेंट (तनाव प्रबंधन) विषय पर आधारित कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक–शिक्षिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वर्तमान समय में बढ़ते काम के दबाव और जिम्मेदारियों के कारण शिक्षक ही नहीं, बल्कि छात्र–छात्राएं भी तनाव का सामना कर रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम में तनाव को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञ विवेक कुमार सिंह और अनुप्रिया गुप्ता ने शिक्षकों को बताया कि

योग, ध्यान और सकारात्मक सोच पर दिया जोर

व्यस्त जीवनशैली में तनाव होना स्वभाविक है, लेकिन सकारात्मक सोच, समय प्रबंधन, योग और ध्यान के माध्यम से इसे नियंत्रित किया जा सकता है। कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियों और उदाहरणों के माध्यम से शिक्षकों को तनाव से निपटने के व्यावहारिक तरीके सिखाए गए। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. नीता सिंह ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाते हैं, जिससे वे विद्यार्थियों को अधिक प्रभावी ढंग से शिक्षित कर सकते हैं। अंत में सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया।

मेधावी विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

यूनिक समय, मथुरा। रोमैक्स इंटरनेशनल स्कूल में प्ले–वे से लेकर कक्षा 5 तक के विद्यार्थियों के लिए वार्षिक पीटीएम एवं ग्रेजुएशन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार, अभिभावकों और विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के चेयरमैन एसपी सिंह, डायरेक्टर कृष्णा चौधरी और प्रिंसिपल डॉ. प्रिया चौधरी द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद प्रिंसिपल डॉ. प्रिया चौधरी ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए पूरे सत्र की उपलब्धियों और आगामी योजनाओं की जानकारी दी। सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्रा प्राची ने सरस्वती वंदना पर

रोमैक्स इंटरनेशनल स्कूल में वार्षिक पीटीएम एवं ग्रेजुएशन समारोह आयोजित

सुंदर प्रस्तुति दी। वहीं शिक्षिका मुस्कान ने आगामी सत्र में होने वाली भगवद गीता कक्षाओं के बारे में अभिभावकों को जानकारी दी।

इस अवसर पर शैक्षणिक सत्र 2025–26 के मेधावी विद्यार्थियों को ट्रॉफी और प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका किरण और एडमिन हेड नितिन धनवानी ने किया। विद्यालय प्रबंधन ने अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

वामन भगवान महोत्सव समिति का शोभायात्रा सहयोगी सम्मान

होली मिलन समारोह में सहयोगी को सम्मानित करते पदाधिकारी।

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। श्री वामन भगवान महोत्सव समिति के बैनर तले मसानी स्थित सेवा दास आश्रम में शोभा यात्रा सहयोगी सम्मान एवं होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। महंत जमुना दास, समिति के संस्थापक श्याम शर्मा, मुख्य संरक्षक राम गोपाल शर्मा, संजय पिपरोनिया, संजय हरियाणा, महापौर विनोद अग्रवाल एव पंकज ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विजय शर्मा ने समिति की वार्षिक रिपोर्ट पर प्रकाश डाला। संस्थापक श्याम शर्मा ने कहा कि समिति का उद्देश्य ब्रज की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित करना तथा समाज को सनातन संस्कृति से जोड़ना है। मुख्य संरक्षक राम गोपाल शर्मा ने कहा कि धार्मिक आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और जनसहयोग ही उनकी सफलता की कुंजी है। आचार्य निर्मल एवं उनकी टीम ने काव्य–व्यंग्य की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में अर्जुन पंडित, गजेंद्र शर्मा, आशीष शर्मा, कुलदीप शर्मा, डॉ. अशोक अग्रवाल, कन्हैयालाल अग्रवाल, पूरन कौशिक, सर्वेश चतुर्वेदी आदि उपस्थित थे। अध्यक्षता घनश्याम ने की।

भक्तों की मनोकामना पूर्ण करती हैं मां महाबाघेश्वरी देवी

यूनिक समय, राया (मथुरा)। गोपालबाग स्थित मां महाबाघेश्वरी देवी भक्तों की मनोकामना पूर्ण करती हैं। मान्यता है कि यहां मांगी गयी हर मुराद पूरी होने के बाद मां के भक्त माता के दर्शन कर भोग प्रसाद लगाते हैं। चैत्र नवरात्रों में यहां वार्षिक मेला का आयोजन होता है। मेला अध्यक्ष भूपेश अग्रवाल ने बताया कि 19 मार्च को सायं चार बजे माता बाघेश्वरी देवी की रथयात्रा नगर भ्रमण करेगी। मेला में प्रतिदिन रात्रि को सांस्कृतिक व धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। मेला महामंत्री संदीप गर्ग ने बताया कि मेला का आयोजन वर्ष 1950 में संस्थापक स्व. लाला मदनलाल अग्रवाल की प्रेरणा से गोपालबाग में शुरू किया गया था।

शिक्षिकाओं व सेवानिवृत्त शिक्षकों का किया सम्मान

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के तत्वावधान में आयोजित समारोह में शिक्षिका एवं सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रादेशिक वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. कमल कौशिक एवं पूर्व विधायक राजकुमार रावत ने किया। शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली 180 महिला शिक्षिकाओं को शॉल एवं प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही इस वर्ष हुए में सेवानिवृत्त हुए शिक्षक भगवती प्रसाद, कमलेश सारस्वत, सुनीता सिंह, सत्यप्रकाश, राजवीर सिंह, राधा सारस्वत प्रमाण पत्र व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। अध्यक्षता करते हुए श्री कौशिक ने कहा कि शिक्षक समाज का मार्गदर्शक होता

सम्मानित शिक्षिका एवं सेवानिवृत्त शिक्षक।

है और एक सशक्त शिक्षक ही मजबूत राष्ट्र की नींव रखता है। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक राजकुमार रावत ने कहा कि शिक्षक और महिलाएं समाज की मजबूत आधारशिला हैं। शिक्षक जहां नई पीढ़ी का निर्माण करते हैं, वहीं महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से समाज में सकारात्मक बदलाव आता है। इस अवसर पर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की ब्लॉक कार्यकारिणी का गठन भी किया गया। नवगठित कार्यकारिणी में हरिओम गुप्ता को ब्लॉक अध्यक्ष, शैलेंद्र परिहार को महामंत्री, कीर्ति लवानिया को कोषाध्यक्ष, कबेंद्र सिंह को कार्यकारी अध्यक्ष, प्राची अग्रवाल एवं मनमोहन गौतम को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सुनील कुमार को मीडिया प्रभारी, शरद चौधरी व अभया सिंह को ब्लॉक मंत्री, अवधेश कुमार को उपाध्यक्ष, अनिल कुमार सारस्वत को मंत्री, सुरेंद्र सारस्वत को संरक्षक, शिखा मिश्रा, कन्हैया लाल, अमित कुमार (एसआरजी) एवं अशोक पाठक को संरक्षक, सोनिया सिंह को मंत्री, पवन गौतम, प्रमोद कुमार वर्मा एवं देवेंद्र सिंह को संगठन मंत्री, भगवान सिंह पचौरी एवं गोवर्धन दास गुप्ता को मार्गदर्शक तथा आदित्य गर्ग को प्रचार मंत्री नियुक्त किया। इस अवसर पर अंजना शर्मा, हेमराज सिंह, गोविंद सिंह चौहान, महावीर, छैल बिहारी एवं सचिन आदि मौजूद थे।

नरहौली में वैष्णो देवी मंदिर पर मेला 18 से शुरू होगा

यूनिक समय, मथुरा। एटीवी के पीछे, नरहौली स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर पर 44वां 10 दिवसीय मेला का आयोजन किया जा रहा है। 18 मार्च को 251 कलशों के साथ शोभायात्रा निकाली जाएगी। प्रतिदिन संध्या काल में आरती के पश्चात भक्तजनों द्वारा लांगुरिया एवं माता के भजनों का आयोजन होगा। 19 मार्च से 27 मार्च तक नवचंडी महायज्ञ एवं रामचरितमानस पाठ का होगा। इसका संचालन आचार्य दयानंद भारद्वाज करेंगे। 20 से 26 मार्च तक श्रीमदभागवत कथा का आयोजन होगा। प्रतिदिन दोपहर 2:00 बजे से शाम 6:30 बजे तक प्रवचन होंगे। कथा के प्रवक्ता आचार्य खेमचंद भारद्वाज (अडूकी वाले) होंगे। 26 मार्च की रात्रि में रात 9:00 बजे से भगवती वैष्णो देवी का जागरण होगा। इसका आयोजन माता वैष्णो देवी भक्ति मंडल एवं प्रदीप गौतम द्वारा किया जाएगा। 27 मार्च को पूर्वाह्न 11:30 बजे नवचंडी महायज्ञ की पूर्णाहुति होगी। इसके पश्चात कन्या एवं साधु प्रसादी के साथ दोपहर 12:30 बजे से भंडारे का आयोजन किया जाएगा। 27 मार्च को संध्या आरती के पश्चात रात 8:30 बजे से आतिशबाजी का आयोजन होगा। इसके साथ 10 दिवसीय मेले का समापन हो जाएगा। यह जानकारी मंदिर सेवायत विकास गौतम ने दी। मंदिर मेला समिति के अध्यक्ष बी.एल. गौतम ने भक्तों से मेला में आने का आह्वान किया है।

सूचना

मैं वन्दना पत्नी गिरीश कुमार शर्मा निवासी ग्राम सकतपुर पो0–बाजना तह0 मांट जिला मथुरा राज्य उत्तर प्रदेश पिन 281201 में पूरी गम्भीरता से पुष्टि और घोषणा करती हूँ कि मेरी सही जन्मतिथि 01.01.1988 है हांलाकि मेरे पति गिरीश कुमार शर्मा के सेना सेवा रिकार्ड (भाग II आदेश) मे मेरी जन्मतिथि 30.06.1990 दर्ज हो गई है अब मैंने इसे सही करने के लिये आवेदन किया है।

एशिया का सबसे बड़ा ट्यूलिप गार्डन खुला

श्रीनगर में सैलानियों की उमड़ी भीड़

यूनिक समय, नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर की खूबसूरत वादियों में स्थित एशिया का सबसे बड़ा ट्यूलिप गार्डन पर्यटकों के लिए खोल दिया गया है। श्रीनगर में मौजूद यह गार्डन हर साल वसंत ऋतु में लाखों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। इस बार भी गार्डन खुलते ही देश–विदेश से आए सैलानियों की भारी भीड़ देखने को मिली। रंग-बिरंगे ट्यूलिप फूलों से सजा यह गार्डन कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता को और भी खास बना देता है।

श्रीनगर का यह प्रसिद्ध ट्यूलिप गार्डन डल झील और जबरवान पहाड़ियों के बीच स्थित है। यहां करीब 18 लाख ट्यूलिप के फूल लगाए गए हैं, जिनमें लगभग 70 अलग-अलग किस्में शामिल हैं। लाल, पीले, गुलाबी, बैंगनी और नारंगी रंगों के ये फूल पूरे गार्डन को रंगों की चादर से ढक देते हैं। जैसे ही फूल खिलते हैं, पूरा इलाका बेहद आकर्षक और मनमोहक दिखाई देने लगता है। गार्डन खुलने के साथ ही ट्यूलिप महोत्सव की भी शुरुआत हो गई। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस साल के ट्यूलिप फेस्टिवल का उद्घाटन किया।

उन्होंने उम्मीद जताई कि इस साल बड़ी संख्या में पर्यटक कश्मीर की वादियों में आएंगे और यहां की खूबसूरती का आनंद लेंगे। मुख्यमंत्री ने यहां पहुंचे सैलानियों का स्वागत भी किया और लोगों से कश्मीर घूमने आने की अपील की। ट्यूलिप गार्डन की खूबसूरती पर्यटकों को बेहद आकर्षित करती है। यहां आने वाले लोग रंग–बिरंगे फूलों के बीच घूमते हैं, तस्वीरें खिंचवाते हैं और प्रकृति के अद्भुत नजारों का आनंद लेते हैं। सुहावना मौसम और चारों तरफ फैले ट्यूलिप फूलों की खुशबू यहां आने वालों को जन्नत जैसा एहसास कराती है। इस गार्डन को बनाने का मुख्य उद्देश्य कश्मीर में पर्यटन को बढ़ावा देना है।

आमतौर पर कश्मीर में पर्यटन का मुख्य सीजन अप्रैल से शुरू होता है, लेकिन ट्यूलिप गार्डन के कारण अब मार्च से ही पर्यटक यहां आने लगते हैं। इससे स्थानीय पर्यटन उद्योग को भी काफी फायदा होता है। हर साल वसंत के मौसम में खिलने वाले ट्यूलिप फूल कश्मीर की घाटियों में नई ऊर्जा और सुंदरता लेकर आते हैं। उम्मीद की जा रही है कि इस साल भी लाखों पर्यटक श्रीनगर पहुंचकर इस खूबसूरत ट्यूलिप गार्डन का दीदार करेंगे और कश्मीर की वादियों में यादगार पल बिताएंगे।

नाश्ते में बनाएं हेल्दी और टेस्टी मखाना चीला

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप सुबह के नाश्ते में कुछ हल्का, हेल्दी और स्वादिष्ट बनाना चाहते हैं तो मखाना चीला एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। यह रेसिपी न सिर्फ बनाने में आसान है बल्कि पोषक तत्वों से भरपूर भी है। मखाने में प्रोटीन, फाइबर और कई जरूरी मिनरल्स पाए जाते हैं, जो शरीर को ऊर्जा देने में मदद करते हैं।

मखाना चीला बनाने के लिए सबसे पहले एक कप मखानों को हल्की आंच पर 2-3 मिनट तक तवे पर भून लें ताकि वे कुरकुरे हो जाएं। ठंडा होने के बाद मखानों को मिक्सर में पीसकर पाउडर बना लें। अब एक बड़े बर्तन में मखाने का पाउडर, आधा कप सूजी और चौथाई कप बेसन डालकर अच्छी तरह मिला लें। इसके बाद इसमें बारीक कटा हुआ प्याज, टमाटर, हरी मिर्च, कद्दूकस किया हुआ अदरक, दो चम्मच दही और स्वादानुसार नमक मिलाएं। अब थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए स्मूद और गाढ़ा बैटर तैयार करें। बैटर न ज्यादा पतला होना चाहिए और न ही बहुत गाढ़ा।

इसे 15-20 मिनट के लिए ढककर रख दें ताकि सूजी अच्छी तरह फूल जाए। अब एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और उस पर थोड़ा सा तेल या घी लगाएं। चम्मच से बैटर डालकर उसे गोल आकार में फैलाएं। मध्यम आंच पर दोनों तरफ से सुनहरा होने तक सेंकें। गरमागरम मखाना चीला तैयार है। इसे हरी चटनी या टमाटर सॉस के साथ परोसकर स्वादिष्ट और पौष्टिक नाश्ते का आनंद लें।

रोज एक कटोरी दही खाने से मिलते हैं कई स्वास्थ्य लाभ

यूनिक समय, नई दिल्ली। दही को सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसमें कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन और प्रोबायोटिक्स जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। रोजाना सिर्फ एक कटोरी दही का सेवन करने से पाचन तंत्र मजबूत होता है, इम्यूनिटी बढ़ती है और शरीर को ठंडक भी मिलती है। हालांकि दही का पूरा फायदा पाने के लिए इसे सही समय और सही तरीके से खाना जरूरी है।

कई लोग सुबह नाश्ते में दही खाना पसंद करते हैं और यह आदत काफी पुरानी परंपरा का हिस्सा भी है। आयुर्वेद के अनुसार सुबह दही खाने से शरीर को ऊर्जा मिलती है और पाचन क्रिया बेहतर रहती है। दही में मौजूद प्रोबायोटिक्स पेट में अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाने में मदद करते हैं, जिससे पाचन तंत्र मजबूत होता है और गैस या अपच जैसी समस्याएं कम हो सकती हैं। दही इम्यूनिटी बढ़ाने में भी मददगार माना जाता है। इसमें मौजूद विटामिन और पोषक तत्व शरीर को बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने की ताकत देते हैं। इसके नियमित सेवन से मौसमी बीमारियों जैसे सर्दी, जुकाम और फ्लू से बचाव में भी मदद मिल सकती है। इसके अलावा दही शरीर का पीएच संतुलन बनाए रखने में भी सहायक होता है। इसमें पाए जाने वाले लैक्टोबैसिलस बैक्टीरिया माइक्रोबियल संतुलन को बेहतर बनाते हैं और पाचन प्रक्रिया को सुचारु रखते हैं। हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए भी दही का सेवन फायदेमंद हो सकता है। इसमें मौजूद मैग्नीशियम और अन्य पोषक तत्व ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। इसलिए अगर आप रोजाना सीमित मात्रा में दही का सेवन करते हैं, तो इससे शरीर को कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं।

नारियल के छिलकों से बनाएं आसान स्क्रबर

यूनिक समय, नई दिल्ली। अक्सर लोग नारियल का उपयोग करने के बाद उसके छिलकों या रेशों को बेकार समझकर फेंक देते हैं, लेकिन ये रेशे घर के कामों में काफी उपयोगी हो सकते हैं। नारियल के रेशों से आप आसानी से एक प्राकृतिक और ईको-फ्रेंडली स्क्रबर बना सकते हैं, जिससे गंदे बर्तन साफ किए जा सकते हैं।

स्क्रबर बनाने के लिए सबसे पहले नारियल के रेशों को अलग कर लें और पानी से अच्छी तरह धो लें, ताकि उनमें मौजूद धूल निकल जाए। इसके बाद रेशों को गोल या चौकोर आकार में मोड़ लें और बीच से जूट की रस्सी या मजबूत धागे से बांध दें। अब आपका होममेड स्क्रबर तैयार है। इससे बर्तनों की चिकनाई और गंदगी आसानी से साफ हो जाती है। इस्तेमाल के बाद इसे धोकर धूप में सुखा दें, ताकि यह लंबे समय तक टिके।

गर्मियों में त्वचा की नमी बनाए रखने के लिए लगाएं एलोवेरा जेल

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मी के मौसम में तेज धूप, पसीना और गर्म हवाओं का सबसे ज्यादा असर हमारी त्वचा पर पड़ता है। इससे त्वचा रूखी, बेजान और डिहाइड्रेटेड हो सकती है। इसलिए इस मौसम में स्किन केयर पर खास ध्यान देना जरूरी होता है। त्वचा को हाइड्रेटेड और ताजगी भरा बनाए रखने के लिए रात को सोने से पहले एलोवेरा जेल लगाना काफी फायदेमंद माना जाता है।

एलोवेरा में कई जरूरी विटामिन, एंटीऑक्सीडेंट और एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। ये तत्व त्वचा को गहराई से पोषण देने में मदद करते हैं और उसे ठंडक पहुंचाते हैं। गर्मियों में एलोवेरा जेल लगाने से त्वचा की नमी लंबे समय तक बनी रहती है, जिससे चेहरा मुलायम और चमकदार दिखाई देता है।

अगर आप रोज रात को सोने से पहले चेहरे पर एलोवेरा जेल लगाते हैं, तो इससे दिनभर की धूप, धूल और थकान से त्वचा को राहत मिलती है। एलोवेरा त्वचा को रिपेयर करने में मदद करता है और ड्राईनेस को कम करता है। इसके नियमित इस्तेमाल से पिंपल्स और दाग–धब्बों की समस्या भी धीरे–धीरे कम हो सकती है। साथ ही यह त्वचा को ठंडक देकर जलन और रैशेज से भी बचाने में मदद करता है। एलोवेरा का इस्तेमाल करना भी बेहद आसान है। सबसे पहले चेहरे को साफ पानी से धो लें। इसके बाद ताजा एलोवेरा की पत्ती से जेल निकालें और हल्के हाथों से चेहरे पर मसाज करते हुए लगा लें। इसे पूरी रात चेहरे पर लगा रहने दें और सुबह चेहरे को धो लें।

मीठे खरबूजे की पहचान कैसे करें

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मी का मौसम आते ही बाजार में खरबूजे और तरबूज की भरमार हो जाती है। मीठा और रसीला खरबूजा खाने में बहुत स्वादिष्ट लगता है और यह सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। लेकिन कई बार सीजन की शुरुआत में मिलने वाले खरबूजे कम मीठे या कच्चे निकल आते हैं, जिससे खाने का मजा खराब हो जाता है। इसलिए खरबूजा खरीदते समय कुछ आसान बातों का ध्यान रखना जरूरी है ताकि आप मीठा और ताजा फल चुन सकें।

सबसे पहले खरबूजे के डंठल को जरूर देखें। खरबूजे को हाथ में लेकर डंठल वाली जगह को हल्का सूंघें। अगर वहां से मीठी और हल्की फूलों जैसी खुशबू आती है, तो समझिए कि खरबूजा पका हुआ और मीठा है। डंठल के पास अगर थोड़ा जेल जैसा रस दिखे और वह पूरी तरह सूखा न हो, तो इसका मतलब है कि फल ताजा है। खरबूजा खरीदते समय उसे हल्के से दबाकर भी जांच सकते हैं। अगर उंगली से हल्का दबाने पर वह थोड़ा नरम लगे, तो इसका मतलब है कि वह सही तरीके से पका हुआ है। लेकिन अगर वह बहुत ज्यादा दब जाए, तो संभव है कि अंदर से खराब हो चुका हो। खरबूजे के छिलके पर बनी धारियां और जालीदार निशान भी उसकी मिठास का संकेत देते हैं। गहरे हरे और नारंगी रंग की स्पष्ट धारियों वाले खरबूजे आमतौर पर ज्यादा मीठे होते हैं। हल्का पीला या पका हुआ रंग भी अच्छे स्वाद की निशानी होता है। खरबूजा गर्मियों में शरीर के लिए बहुत लाभदायक फल है। इसमें लगभग 90 से 92 प्रतिशत पानी होता है, जो शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करता है। यह शरीर को ठंडक देता है और पेट को जल्दी भर देता है, जिससे वजन नियंत्रण में भी मदद मिलती है। इसमें विटामिन, फाइबर और पोटैशियम जैसे पोषक तत्व भी अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं।

नारियल पानी या ग्लूकोज: शरीर को कौन सा ड्रिंक जल्दी हाइड्रेट करता है?

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मी के मौसम में पसीने के कारण शरीर से पानी और जरूरी मिनरल्स तेजी से निकल जाते हैं, जिससे डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है। ऐसी स्थिति में शरीर को जल्दी हाइड्रेट करने के लिए लोग अक्सर नारियल पानी या ग्लूकोज का सेवन करते हैं। लेकिन कई लोगों के मन में सवाल होता है कि इन दोनों में से कौन सा ड्रिंक शरीर को जल्दी हाइड्रेट करता है।

नारियल पानी एक प्राकृतिक और पोषक तत्वों से भरपूर पेय है। इसमें पोटेशियम, मैग्नीशियम और सोडियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर में पानी की कमी को पूरा करने में मदद करते हैं। वर्कआउट के बाद या गर्मी में नारियल पानी पीना काफी फायदेमंद माना जाता है। इसके अलावा यह ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने, पाचन को बेहतर बनाने और शरीर को लंबे समय तक तरोताजा रखने में भी मदद करता है। इसमें कैलोरी कम होती है, इसलिए यह वजन नियंत्रित रखने में भी सहायक माना जाता है। दूसरी ओर, ग्लूकोज शरीर को तुरंत ऊर्जा देने के लिए जाना जाता है। ग्लूकोज को पचाने की जरूरत नहीं होती और यह सीधे रक्त में मिलकर शरीर की कोशिकाओं को ऊर्जा प्रदान करता है। इसलिए जब किसी व्यक्ति को अचानक कमजोरी, थकान या चक्कर जैसा महसूस होता है, तो ग्लूकोज का सेवन जल्दी राहत देता है। भारी शारीरिक मेहनत या ज्यादा पसीना आने के बाद ग्लूकोज लेने से शरीर को तेजी से ऊर्जा मिलती है और मांसपेशियों की रिकवरी में भी मदद मिलती है। अगर तुरंत ऊर्जा की जरूरत हो या शरीर में ज्यादा कमजोरी महसूस हो रही हो, तो ग्लूकोज ज्यादा तेजी से असर करता है। वहीं अगर बात लंबे समय तक शरीर को हाइड्रेट रखने और पोषण देने की हो, तो नारियल पानी बेहतर विकल्प माना जाता है। इसलिए सामान्य परिस्थितियों में नारियल पानी पीना ज्यादा फायदेमंद है, जबकि अचानक आई कमजोरी या डिहाइड्रेशन की स्थिति में ग्लूकोज तुरंत राहत देने में मदद कर सकता है।

सुविचार

सपने बड़े रखो,
वरना मेहनत भी
छोटी रह जाएगी

कल का पंचांग

तिथि	अमावस्या	08:25-09:23 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	पूर्वभाद्रपदा	06:09-05:21 तक	माह	चैत्र
सूर्योदय		06:36 AM	चन्द्रोदय	05:55 AM
सूर्यास्त		06:33 PM	चंद्रास्त	06:03 PM
सूर्य राशि		मीन राशि	चंद्र	मीन राशि
शुभ मुहूर्त			ब्रहम् मुहूर्त	05:018-06:05
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2082
राहुकाल		12:34PM:02:04PM	वार	बुधवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

इस बार नवरात्रि पर माता का आगमन प्रलयकारी

राजनीति में आ सकती है उथल-पुथल दुनिया पर क्या-क्या पड़ेगा प्रभाव

यूनिक समय, मथुरा। चैत्र नवरात्रि इस वर्ष 19 मार्च से शुरू हो रही है, जिसे सनातन परंपरा में नववर्ष का प्रारंभ भी माना जाता है। इस पावन पर्व के साथ जहां भक्तों में उत्साह है, वहीं इस बार माता के आगमन को लेकर विशेष चर्चा हो रही है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, इस बार मां दुर्गा का आगमन "डोली" पर बताया जा रहा है, जिसे परंपरागत रूप से अशुभ संकेत के रूप में देखा जाता है।

मान्यता है कि जब माता डोली पर सवार होकर आती हैं, तो यह समय सामाजिक और राजनीतिक अस्थिरता का संकेत दे सकता है। धार्मिक विद्वानों के अनुसार, ऐसे योग में देशों के बीच तनाव, प्राकृतिक आपदाओं की आशंका और आंतरिक उथल-पुथल जैसी स्थितियां बन सकती हैं। हालांकि, इन मान्यताओं को आस्था और परंपरा के दायरे में ही देखा जाता है।

धार्मिक विद्वानों का कहना है कि नवरात्रि केवल भविष्य संकेतों का विषय नहीं, बल्कि साधना, शक्ति और सकारात्मक ऊर्जा का पर्व है। इस दौरान भक्त मां के नौ स्वरूपों की पूजा करते हैं और आध्यात्मिक उन्नति की कामना करते हैं।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, इस बार माता का आगमन डोली पर भले ही बताया जा रहा हो, लेकिन एक अन्य मत के अनुसार उनका संबंध "हाथी" से भी जोड़ा जा रहा है, जिसे शांति और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। यही कारण है कि इस बार के संकेत मिश्रित माने जा रहे हैं-जहां एक ओर चुनौतियों की आशंका है, वहीं दूसरी ओर संतुलन और सकारात्मकता की भी संभावना बनी हुई है।नवरात्रि का शुभारंभ कलश स्थापना के साथ होता है। 19 मार्च को सुबह 6:40 से 9:32 बजे तक का समय शुभ माना गया है, जबकि अभिजीत मुहूर्त दोपहर 11:55 से 12:40 बजे तक रहेगा। इस दौरान भक्त कलश स्थापना, अखंड ज्योति, दुर्गा सप्तशती पाठ, दुर्गा चालीसा और मंत्र जाप के माध्यम से मां की आराधना करते हैं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां दुर्गा के नौ रूपों-शैलपुत्री से लेकर सिद्धिदात्री तक-की पूजा करने से जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आती है। 27 मार्च को नवरात्रि का समापन होगा और इसी दिन व्रत का पारण किया जाएगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि चाहे कोई भी ज्योतिषीय संकेत हों, नवरात्रि का मूल संदेश सकारात्मकता, आत्मबल और भक्ति है। इसलिए आवश्यक है कि लोग भय या भ्रम में न पड़कर इस पर्व को श्रद्धा और विश्वास के साथ मनाएं। यही नवरात्रि का वास्तविक महत्व भी है।

व्रत-त्योहार का कैलेंडर 2026

- 19 मार्च, दिन बृहस्पतिवार: चैत्र अमावस्या, चैत्र नवरात्रि प्रारंभ
- 22 मार्च, दिन रविवार: वासुदेव चतुर्थी
- 26 मार्च, दिन गुरुवार: राम नवमी
- 29 मार्च, दिन रविवार: कामदा एकादशी
- 30 मार्च, दिन सोमवार: सोम प्रदोष व्रत
- 1 अप्रैल, दिन बुधवार: चैत्र पूर्णिमा
- 5 अप्रैल, दिन रविवार: विकट संकष्टी
- 13 अप्रैल, दिन सोमवार: वरूथिनी एकादशी
- 14 अप्रैल, दिन मंगलवार: बैसाखी
- 15 अप्रैल, दिन बुधवार: बुध प्रदोष व्रत, वैशाख मासिक शिवरात्रि
- 17 अप्रैल, दिन शुक्रवार: दर्श अमावस्या, वैशाख अमावस्या
- 19 अप्रैल, दिन रविवार: अक्षय तृतीया
- 20 अप्रैल, दिन सोमवार: संकर्षण चतुर्थी
- 27 अप्रैल, दिन सोमवार: मोहिनी एकादशी
- 28 अप्रैल, दिन मंगलवार: भौम प्रदोष व्रत

कल का राशिफल

कल का दिन सभी राशियों के लिए संतुलन और समझदारी के साथ आगे बढ़ने का संकेत दे रहा है। ग्रहों की स्थिति यह दर्शाती है कि धैर्य, परिश्रम और सही निर्णय लेने से अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं और आय के नए साधन बनने की संभावना भी दिखाई दे रही है। कार्यक्षेत्र में निरंतर प्रयास करने वालों को सफलता मिलने के योग बन रहे हैं।

मेष: धन लाभ के संकेत हैं। परिवार में सामंजस्य बनाए रखें और बुजुर्गों के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

वृषभ: परिश्रम का अच्छा फल मिलेगा। लंबे समय से रुके कार्य पूरे हो सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें।

मिथुन: सृजनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। समझदारी से लिए गए निर्णय लाभकारी सिद्ध होंगे।

कर्क: मानसिक दबाव महसूस हो सकता है, लेकिन धैर्य से परिस्थितियां आपके पक्ष में हो जाएंगी।

सिंह: दिन उत्साह और ऊर्जा से भरा रहेगा। परिवार का सहयोग मिलेगा और मन प्रसन्न रहेगा।

कन्या: कार्यों में व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना जरूरी है। पाचन और नींद का ध्यान रखें।

तुला: दिन संतुलित और सुखद रहेगा। योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने पर सफलता मिलेगी।

वृश्चिक: आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें। जल्दबाजी में लिया गया निर्णय नुकसान दे सकता है।

धनु: सृजनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिरता के संकेत मिल रहे हैं।

मकर: ईमानदारी और समर्पण से कार्य करें। पूजा-पाठ और आध्यात्मिकता से मानसिक शांति मिलेगी।

कुंभ: कार्य और व्यापार में नए अवसर मिल सकते हैं। सोच-समझकर निर्णय लेना लाभकारी रहेगा।

मीन: मानसिक शांति के लिए ध्यान और योग करें। रिश्तों में मधुरता और स्पष्टता आएगी।

सीख :"छोटे कदम, बड़ी उड़ान"

यूनिक समय, मथुरा। संदीप एक छोटे से गाँव में रहने वाला सीधा-सादा लड़का था। उसके पिता खेतों में मजदूरी करते थे और माँ घर पर सिलाई का काम करती थीं। घर की आर्थिक स्थिति बहुत कठिन थी, लेकिन संदीप के भीतर एक सपना था-कभी अपने माता-पिता को ऐसा जीवन देना जहाँ उन्हें मेहनत नहीं, सम्मान मिले।

संदीप पढ़ाई में होशियार था, लेकिन पैसे की तंगी के कारण कई बार उसे किताबें उधार लेकर पढ़नी पड़ती थीं। गाँव के सरकारी स्कूल में पढ़ते हुए भी वह हर परीक्षा में अव्वल आता। उसके अध्यापक भी कहते, "यह लड़का एक दिन जरूर कुछ बड़ा करेगा।"

दसवीं के बाद संदीप को शहर जाकर पढ़ने का अवसर मिला, लेकिन किराया और खर्च चलाना मुश्किल था। उसने दिन में कॉलेज और रात में एक

होटल में बर्तन धोने का काम शुरू किया। शरीर थक जाता, लेकिन सपना उसे कभी सोने नहीं देता था। धीरे-धीरे समय बीता। संदीप ने कंप्यूटर कोर्स किया, फिर एक छोटी सी नौकरी मिल गई। वहाँ उसने ईमानदारी और मेहनत से सबका दिल जीत लिया। कंपनी के मालिक ने उसकी लगन देखकर उसे प्रमोट कर दिया। कुछ वर्षों में संदीप एक बड़ी कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर बन गया। आज संदीप अपने माता-पिता को शहर में एक सुंदर घर में ले आया है। जहाँ कभी माँ सिलाई करती थीं, आज वो आराम से टीवी देखती हैं। और पिता, जो खेतों में पसीना बहाते थे, आज मंदिर जाकर पूजा करते हैं। संदीप कहता है, "अगर आपमें इच्छा है और मेहनत करने का जज्बा है, तो कोई भी गरीबी या मुश्किल आपको नहीं रोक सकती।" उसकी कहानी उन लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो संघर्षों से घबराते हैं।

सीख: हर बड़ी सफलता की शुरुआत छोटे कदमों से होती है। परिस्थिति कैसी भी हो, अगर इरादे मजबूत हैं तो मंजिल दूर नहीं।

इन पंचदेवों के आगे नतमस्तक होते हैं शनिदेव, बचने के आसान उपाय

यूनिक समय, मथुरा। शनिदेव को न्याय का देवता माना गया है, जो मनुष्य के अच्छे-बुरे कर्मों के अनुसार फल देते हैं। उनकी दृष्टि जिस पर पड़ जाए, उसका जीवन एकदम बदल सकता है। राजा को रंक और रंक को राजा बना सकते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि सबको भयभीत करने वाले शनिदेव स्वयं भी कुछ देवी-देवताओं से भय खाते हैं? आइए जानते हैं वो 5 शक्तियाँ, जिनसे शनिदेव डरते हैं और जिनका स्मरण मात्र से शनि के अशुभ प्रभाव कम हो जाते हैं।

भगवान सूर्य: शनिदेव, सूर्यदेव के पुत्र हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, एक समय सूर्यदेव ने क्रोध में आकर शनिदेव का घर जला

दिया था। बाद में शनिदेव ने काले तिल से उनकी पूजा कर उन्हें प्रसन्न किया। जो भी श्रद्धा से सूर्य की उपासना करता है, उस पर शनिदेव की महादशा का प्रभाव कम हो जाता है।

भगवान कृष्ण: शास्त्रों में उल्लेख है कि शनिदेव भगवान कृष्ण के भक्तों से दूरी बनाए रखते हैं। कोकिला वन में तपस्या कर कृष्ण दर्शन प्राप्त करने के बाद शनिदेव ने वचन दिया कि जो भी कृष्ण का नाम लेगा, उस पर उनकी कुदृष्टि नहीं पड़ेगी।

पीपल वृक्ष: शनिदेव पीपल के वृक्ष से भी डरते हैं। शनिवार के दिन पीपल को जल देना, सरसों का तेल चढ़ाना और उसकी परिक्रमा करने से शनि के अशुभ प्रभाव से मुक्ति मिलती है।

भगवान हनुमान: हनुमानजी के समक्ष शनिदेव की शक्ति निष्क्रिय हो जाती है। हनुमान चालीसा, सुंदरकांड या बजरंग बाण का पाठ करने वालों को शनि दोष नहीं सताता।

भगवान शिव: महादेव को शनिदेव अपना गुरु मानते हैं। शिवभक्तों पर शनिदेव की दृष्टि कभी भी अशुभ नहीं पड़ती। महादेव ने ही शनिदेव को नवग्रहों में न्यायाधीश का दर्जा दिया।

अतिरिक्त रूप से: शनिदेव अपनी पत्नी चित्ररथ से भी भयभीत रहते हैं। एक कथा के अनुसार पत्नी के श्राप के कारण शनिदेव अपनी दृष्टि नीचे करके रखते हैं। शनि की पत्नी का मंत्र जपने से भी शनि दोष कम होता है। इन सभी उपायों को श्रद्धा से करने पर शनिदेव की कृपा प्राप्त हो सकती है और जीवन की परेशानियाँ दूर हो सकती हैं।

सम्पादकीय

दूध में मिलावट, कानून में ढील, जनता बेहाल

कभी कहा जाता था कि भारत में दूध–घी की नदियां बहती हैं, लेकिन अब हालात ऐसे हैं कि गिलास में दूध कम और 'केमिस्ट्री लैब' ज्यादा नजर आती है। फर्क बस इतना है कि प्रयोगशाला में प्रयोग वैज्ञानिक करते हैं और यहां मिलावटखोर–बिना किसी डिग्री के, पूरी "कुशलता" के साथ। और दुखद यह कि उनके इस हुनर पर लगाम कसने वाला सिस्टम मानो छुट्टी पर है। खाद्य सुरक्षा से जुड़ी हालिया रिपोर्ट बताती है कि देश में हर तीसरा दूध का नमूना मानकों पर खरा नहीं उतर रहा। यानी अगर आप तीन गिलास दूध पी रहे हैं, तो संभावना है कि एक गिलास

पवन गौतम
संपादक

में दूध कम और 'डिटर्जेंट–यूरिया स्पेशल' ज्यादा हो। यह सिर्फ मजाक का विषय नहीं, बल्कि सेहत के साथ खुला खिलवाड़ है। सबसे ज्यादा हैरानी की बात यह है कि जिन राज्यों को कृषि और पशुपालन में अग्रणी माना जाता है–जैसे हरियाणा, उत्तर प्रदेश और पंजाब–वहीं दूध के नमूनों के फेल होने की दर ज्यादा है। यानी जहां से शुद्धता की उम्मीद थी, वहीं से मिलावट का 'मॉडल' विकसित हो रहा है। अब जरा सिस्टम की 'फुर्ती' देखिए। चार साल में 1.2 लाख नमूनों में से 47 हजार से ज्यादा फेल हो गए, लेकिन सजा आधों को भी नहीं मिली। ऐसा लगता है कि मिलावटखोरों को कानून से ज्यादा डर बिजली के बिल से लगता होगा। जब पकड़ भी लिए जाएं तो कार्रवाई इतनी धीमी कि तब तक अगली पीढ़ी भी मिलावट का धंधा सीख जाए। लाइसेंस व्यवस्था लागू कर दी गई है, लेकिन यह वैसा ही है जैसे चोर को पहचान पत्र दे दिया जाए और उम्मीद की जाए कि अब वह चोरी नहीं करेगा। निरीक्षण की प्रक्रिया इतनी ढीली है कि मिलावटखोरों को पहले से पता होता है कि "आज सैंपल लेने वाले आ रहे हैं"–और उस दिन दूध में सचमुच दूध मिल जाता है! स्थिति इतनी गंभीर है कि डॉक्टर भी चेतावनी दे रहे हैं–यह मिलावटी दूध किडनी, लिवर और पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचा रहा है। यानी ताकत के नाम पर जहर परोसा जा रहा है। लेकिन आम आदमी क्या करे? हर गिलास से पहले लैब टेस्ट तो संभव नहीं। समाधान सीधा है, लेकिन इच्छाशक्ति चाहिए। जांच प्रक्रिया को तेज करना होगा, दोषियों को सख्त सजा देनी होगी और ऐसी कार्रवाई करनी होगी कि मिलावटखोरी 'लाभ का धंधा' नहीं, 'खतरे का सौदा' बन जाए। साथ ही आम लोगों को घर पर दूध जांचने के आसान तरीके भी बताए जाने चाहिए।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

वरना वह दिन दूर नहीं जब बच्चों को यह पढ़ाया जाएगा–"दूध एक सफेद तरल पदार्थ होता है, जो किताबों में पाया जाता है।"

नजरिया

लोकतांत्रिक मूल्यों की परीक्षा में खरे उतरते चुनाव

ललित गर्ग

भारत में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों की वास्तविक परीक्षा भी होते हैं। जब देश के विभिन्न राज्यों में चुनावी बिगुल बजता है, तो यह केवल राजनीतिक दलों की सक्रियता का संकेत नहीं देता, बल्कि यह उस व्यापक प्रक्रिया का आरंभ होता है जिसमें जनता की भागीदारी, संस्थाओं की विश्वसनीयता और राजनीतिक संस्कृति का चरित्र सामने आता है। वर्तमान चुनावी परिदृश्य भी कुछ इसी प्रकार की कसौटी लेकर आया है, जहां एक ओर राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अपने चरम पर है, वहीं दूसरी ओर लोकतांत्रिक मर्यादाओं के संरक्षण की चुनौती भी उतनी ही गंभीर है।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण लोकतंत्र में चुनावों का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि यहां की सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक विविधताएं चुनावी प्रक्रिया को जटिल बनाती हैं। असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी जैसे राज्यों में होने वाले चुनाव न केवल क्षेत्रीय राजनीति को प्रभावित करते हैं, बल्कि उनका असर राष्ट्रीय स्तर पर भी देखा जाता है। इन राज्यों की राजनीतिक परिस्थितियां भिन्न हैं, लेकिन एक बात समान है–यहां लोकतंत्र की मजबूती और परिपक्वता की परीक्षा हो रही है।

विशेष रूप से पश्चिम बंगाल का संदर्भ इस बार अधिक चर्चा में है। वहां लंबे समय से राजनीतिक टकराव और हिंसा की घटनाएं चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करती रही हैं। सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के बीच तीखी प्रतिस्पर्धा ने कई बार लोकतांत्रिक मर्यादाओं को चुनौती दी है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या इस बार चुनाव भय और हिंसा से मुक्त हो पाएंगे। लोकतंत्र का मूल सिद्धांत यह है कि प्रत्येक नागरिक बिना किसी दबाव या डर के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। यदि यह सुनिश्चित नहीं हो पाता, तो चुनाव की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगना तय है। यहां चुनाव आयोग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। यह संस्था लोकतंत्र की रीढ़ मानी जाती है, जिसका दायित्व है कि चुनाव प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाए रखा जाए। सुरक्षा बलों की तैनाती, मतदान केंद्रों की निगरानी, इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों की सुरक्षा और आचार संहिता का पालन–ये सभी ऐसे पहलू हैं जिन पर आयोग को विशेष ध्यान देना होता है। लेकिन केवल प्रशासनिक उपाय ही पर्याप्त नहीं होते। जब तक राजनीतिक दल स्वयं जिम्मेदारी का परिचय नहीं देंगे, तब तक पूरी तरह स्वस्थ चुनावी वातावरण की कल्पना अधूरी ही रहेगी।

दुर्भाग्यवश, वर्तमान समय में चुनावी राजनीति में आरोप–प्रत्यारोप, व्यक्तिगत हमले और नकारात्मक प्रचार का चलन बढ़ता जा रहा है। राजनीतिक दल अक्सर जनहित के मुद्दों से अधिक एक–दूसरे को नीचा दिखाने में ऊर्जा खर्च करते हैं। यह प्रवृत्ति न केवल लोकतंत्र को कमजोर करती है, बल्कि जनता के बीच भी अविश्वास का माहौल पैदा करती है। लोकतंत्र की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा कितनी स्वस्थ और रचनात्मक है। यदि यह प्रतिस्पर्धा घृणा और असहिष्णुता में बदल जाती है, तो इसका दुष्परिणाम पूरे समाज को भुगतना पड़ता है।

केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण चुनावी परंपरा देखने को मिलती रही है, जो एक सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करती है। वहां राजनीतिक प्रतिस्पर्धा तीव्र जरूर होती है, लेकिन हिंसा की घटनाएं कम देखने को मिलती हैं। यह दर्शाता है कि यदि राजनीतिक दल और जनता दोनों लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध हों, तो चुनावी प्रक्रिया को शांतिपूर्ण बनाए रखना संभव है। असम में भी चुनाव का महत्व इसलिए बढ़ जाता है क्योंकि यह पूर्वोत्तर भारत की राजनीति की दिशा तय करता है। चुनावों के संदर्भ में एक और महत्वपूर्ण पहलू मतदाताओं की भूमिका है। लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता के हाथ में होता है। यदि मतदाता जागरूक और सजग हैं, तो वे ऐसे नेताओं का चयन करेंगे जो लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करते हैं। लेकिन यदि मतदाता जाति, धर्म या अन्य संकीर्ण आधारों पर निर्णय लेते

हैं, तो इससे लोकतंत्र की गुणवत्ता प्रभावित होती है। इसलिए आवश्यक है कि मतदाता अपने अधिकार के साथ–साथ अपने कर्तव्य को भी समझें।

आज के समय में सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का प्रभाव भी चुनावों पर बढ़ता जा रहा है। सूचना का प्रसार पहले की तुलना में कहीं अधिक तेज और व्यापक हो गया है। हालांकि यह एक सकारात्मक परिवर्तन है, लेकिन इसके साथ ही फर्जी खबरों और भ्रामक प्रचार की समस्या भी सामने आई है। कई बार गलत सूचनाएं मतदाताओं को प्रभावित करती हैं और चुनावी माहौल को विषाक्त बनाती हैं। ऐसे में न केवल प्रशासन बल्कि नागरिकों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे सत्य और असत्य के बीच अंतर करें।

लोकतंत्र की मजबूती केवल संस्थाओं पर निर्भर नहीं करती, बल्कि यह समाज की सामूहिक चेतना का भी परिणाम होती है। यदि समाज में सहिष्णुता, संवाद और पारस्परिक सम्मान की भावना होगी, तो इसका प्रभाव चुनावी प्रक्रिया पर भी पड़ेगा। इसके विपरीत यदि समाज में विभाजन और वैमनस्य की प्रवृत्ति बढ़ेगी, तो चुनाव भी उससे अछूते नहीं रहेंगे। यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि चुनाव केवल एक घटना नहीं, बल्कि एक सतत प्रक्रिया है। मतदान के दिन के बाद भी लोकतंत्र की जिम्मेदारियां समाप्त नहीं हो जातीं। चुनी गई सरकारों को जनता के प्रति जवाबदेह रहना होता है और जनता को भी अपने प्रतिनिधियों से सवाल पूछने का अधिकार और साहस बनाए रखना चाहिए। यही लोकतंत्र की असली शक्ति है।

इन चुनावों के माध्यम से भारत के लोकतंत्र के सामने एक महत्वपूर्ण अवसर है–यह दिखाने का कि इतनी विविधताओं के बावजूद यह देश लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने में सक्षम है। यदि चुनाव शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न होते हैं, तो यह न केवल देश के लिए बल्कि वैश्विक स्तर पर भी एक सकारात्मक संदेश होगा।

अंततः यह कहा जा सकता है कि लोकतंत्र की सफलता केवल चुनाव जीतने या हारने में नहीं, बल्कि उस प्रक्रिया में निहित होती है जिसके माध्यम से यह परिणाम प्राप्त होता है। यदि इस प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्षता और मर्यादा बनी रहती है, तो लोकतंत्र सशक्त होता है। लेकिन यदि इसमें हिंसा, भय और अनैतिकता का प्रवेश हो जाता है, तो यह लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सभी पक्ष–चुनाव आयोग, राजनीतिक दल, उम्मीदवार और मतदाता–अपनी–अपनी जिम्मेदारियों को समझें और उनका ईमानदारी से पालन करें। तभी यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम न बनकर लोकतांत्रिक मूल्यों के सशक्तिकरण का पर्व बनें। यही इस समय की सबसे बड़ी चुनौती और सबसे बड़ा अवसर भी है।

विचार विण्डो

नेतन्याहू की जिद और ट्रंप की उलझी रणनीति

बोध प्रकाश सगुणी

मध्य–पूर्व की उथल–पुथल भरी राजनीति एक बार फिर वैश्विक चिंता का केंद्र बन गई है। इस बार घटनाक्रम के केंद्र में दो ऐसे नेता हैं, जिनकी सोच, शैली और प्राथमिकताएं भले ही अलग हों, लेकिन उनके निर्णयों का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है–बेंजामिन नेतन्याहू और डोनाल्ड ट्रंप। एक ओर नेतन्याहू की आक्रामक और दीर्घकालिक रणनीतिक महत्वाकांक्षा है, तो दूसरी ओर ट्रंप की राजनीतिक दुविधा और अनिश्चितता, जिसने इस पूरे संघर्ष को और जटिल बना दिया है।

इतिहास गवाह है कि अमेरिका और इजरायल के संबंध हमेशा से घनिष्ठ रहे हैं, लेकिन इन संबंधों के भीतर भी शक्ति संतुलन और रणनीतिक मतभेद समय–समय पर उभरते रहे हैं। 1990 के दशक में बिल क्लिंटन की प्रतिक्रिया इसका एक दिलचस्प उदाहरण रही, जब उन्होंने नेतन्याहू के कड़े रुख पर नाराजगी जताई थी। यह दिखाता है कि इजरायल के नेतृत्व ने हमेशा अपनी सुरक्षा और क्षेत्रीय प्रभुत्व को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है, भले ही इसके लिए उसे अपने सबसे बड़े सहयोगी पर दबाव क्यों न बनाना पड़े। वर्तमान परिदृश्य में यह प्रवृत्ति और भी स्पष्ट दिखाई देती है। नेतन्याहू लंबे समय से ईरान को लेकर कठोर रुख अपनाते रहे हैं। उनके लिए यह केवल एक सामरिक चुनौती नहीं, बल्कि अस्तित्व से जुड़ा प्रश्न है। यही कारण है कि वे वर्षों से ईरानी प्रभाव को खत्म करने के लिए सैन्य विकल्पों की वकालत करते रहे हैं। हालिया घटनाक्रम को इसी दीर्घकालिक रणनीति की परिणति के रूप में देखा जा सकता है, जहां उन्होंने अमेरिका को भी इस संघर्ष में सक्रिय भागीदारी के लिए राजी कर लिया। लेकिन यहां ट्रंप की स्थिति उतनी स्पष्ट नहीं है। चुनावी वादों में उन्होंने अमेरिका को 'अंतहीन युद्धों' से बाहर निकालने की बात कही थी। उनके समर्थकों ने भी इसी नीति के आधार पर उन्हें समर्थन दिया था। ऐसे में इजरायल–ईरान जैसे जटिल और जोखिम भरे संघर्ष में अमेरिका की भागीदारी उनके लिए एक राजनीतिक विरोधाभास बन गई है। यह स्थिति उन्हें उसी 'सत्ता परिवर्तन' वाले जाल में फंसा रही है, जिससे बचने का दावा वे लंबे समय से करते आए थे। रणनीतिक स्तर पर भी ट्रंप और नेतन्याहू के बीच स्पष्ट असमानता नजर आती है। जहां अमेरिका इस संघर्ष को सीमित रखकर एक 'सर्जिकल' समाधान चाहता है, वहीं इजरायल का लक्ष्य कहीं अधिक व्यापक है–ईरान की सैन्य और राजनीतिक संरचना को गहराई तक कमजोर करना। यही कारण है कि जब इजरायल ने ईरानी तेल ठिकानों को निशाना बनाया, तो अमेरिका के भीतर ही

असहमति की आवाजें उठने लगीं। ट्रंप के लिए यह केवल एक सैन्य निर्णय नहीं, बल्कि घरेलू राजनीति और आर्थिक स्थिरता से जुड़ा मुद्दा भी है। तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और वैश्विक बाजार में अस्थिरता का सीधा असर अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। महंगाई और ऊर्जा संकट जैसे मुद्दे ट्रंप के राजनीतिक भविष्य को प्रभावित कर सकते हैं। यही वजह है कि वे इस संघर्ष को जल्दी समाप्त करना चाहते हैं, लेकिन नेतन्याहू की 'पूर्ण विजय' की नीति उनके लिए रास्ता और कठिन बना रही है। इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू अमेरिकी जनमत भी है। इतिहास में जब भी अमेरिका ने बड़े युद्धों में हिस्सा लिया है–जैसे द्वितीय विश्वयुद्ध या 11 सितंबर के हमलों के बाद अफगानिस्तान में कार्रवाई–तब जनता का व्यापक समर्थन सरकार के साथ रहा है। लेकिन इस बार स्थिति बिल्कुल अलग है। ईरान के साथ संघर्ष को लेकर अमेरिकी जनता में स्पष्टता का अभाव है, और समर्थन भी सीमित है। यह असमंजस केवल जनता तक ही सीमित नहीं है, बल्कि अमेरिकी प्रशासन और कांग्रेस के भीतर भी देखा जा सकता है। बिना व्यापक राजनीतिक सहमति के शुरू किया गया यह सैन्य अभियान अब आर्थिक और रणनीतिक बोझ बनता जा रहा है। जैसे–जैसे संघर्ष लंबा खिंच रहा है, वैसे–वैसे अमेरिका पर इसका दबाव बढ़ता जा रहा है। दूसरी ओर, नेतन्याहू इस स्थिति को एक अवसर के रूप में देख रहे हैं। उनके लिए यह केवल एक सैन्य अभियान नहीं, बल्कि क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को अपने पक्ष में मोड़ने का प्रयास है। ईरान को कमजोर करना, उसके सहयोगी नेटवर्क को तोड़ना और मध्य–पूर्व में अपनी स्थिति को मजबूत करना–ये सभी लक्ष्य इस रणनीति का हिस्सा हैं। लेकिन इस आक्रामक नीति के जोखिम भी कम नहीं हैं। यदि यह संघर्ष व्यापक युद्ध में बदलता है, तो इसका असर केवल मध्य–पूर्व तक सीमित नहीं रहेगा। वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय स्थिरता–'' दांव पर लग सकते हैं। हॉर्मुज जलडमरूमध्य जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों की सुरक्षा पर खतरा बढ़ना भी इसी का संकेत है। अंततः यह सवाल सबसे महत्वपूर्ण है कि इस संघर्ष का अंत क्या होगा।

क्या ट्रंप अपनी राजनीतिक और आर्थिक बाध्यताओं को ध्यान में रखते हुए पीछे हटने का रास्ता निकाल पाएंगे, या वे नेतन्याहू की रणनीति के साथ आगे बढ़ते रहेंगे? और क्या नेतन्याहू अपनी 'पूर्ण विजय' की नीति में कोई लचीलापन दिखाएंगे? इन सवालों के जवाब अभी स्पष्ट नहीं हैं, लेकिन इतना तय है कि यह संघर्ष केवल दो देशों या दो नेताओं का नहीं, बल्कि वैश्विक व्यवस्था की स्थिरता की परीक्षा बन चुका है। यदि इसमें संतुलन और दूरदर्शिता का अभाव रहा, तो इसके परिणाम दूरगामी और गंभीर हो सकते हैं।

वनडे विश्व कप 2027 की तैयारियां शुरू

तीन देशों में होगा आईसीसी विश्व कप

यूनिक समय, नई दिल्ली। वनडे विश्व कप 2027 की तैयारी शुरू हो गई है। यह टूर्नामेंट तीन देशों–साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया–में खेला जाएगा। हालांकि, इन तीन मेजबानों में से केवल साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे की जगह पक्की हो चुकी है, जबकि नामीबिया अभी तक क्वालीफायर राउंड के जरिए ही टूर्नामेंट में अपनी जगह सुनिश्चित कर पाएगी। इसका मुख्य कारण यह है कि साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे आईसीसी की फुल मेंबर टीमें हैं, जबकि नामीबिया एसोसिएट मेंबर है। आईसीसी के नियमों के मुताबिक, मेजबान होने के बावजूद एसोसिएट मेंबर को क्वालीफायर खेलकर एंट्री लेनी होगी।

यह टूर्नामेंट तीन देशों साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाएगा

वनडे विश्व कप में कुल 14 टीमें हिस्सा लेंगी

वनडे विश्व कप 2027 में कुल 14 टीमें हिस्सा लेंगी। पिछले संस्करण 2023 में केवल 10 टीमें शामिल थीं। इस बार चार अतिरिक्त टीमें जुड़ेंगी। साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे के अलावा बाकी आठ टीमें आईसीसी वनडे रैंकिंग के आधार पर सीधे एंट्री पाएंगी। रैंकिंग में टॉप पर रहने वाली टीमें सीधे विश्व कप में खेलेंगी, जबकि अन्य टीमों को क्वालीफायर राउंड से गुजरना होगा। अभी की स्थिति के अनुसार, भारत, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, इंग्लैंड, श्रीलंका और अफगानिस्तान की टीमों की रैंकिंग अच्छी है, इसलिए इनकी एंट्री लगभग पक्की मानी जा रही है। बाकी बची दो टीमों में बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के बीच मुकाबला जारी है।

इस समय सिर्फ इनमें से एक टीम सीधे एंट्री ले सकती है। हालांकि टूर्नामेंट से पहले रैंकिंग में बदलाव की संभावना है, इसलिए दोनों टीमों के लिए अब भी क्वालीफायर या सीधे प्रवेश की राह खुली है। नामीबिया के मेजबान होने के बावजूद क्वालीफायर खेलकर विश्व कप में शामिल होना इस बात का संकेत है कि आईसीसी फुल मेंबर और एसोसिएट मेंबर की नीति में स्पष्ट अंतर रखता है। यह नीति सुनिश्चित करती है कि टूर्नामेंट में उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा बनी रहे। इस प्रकार, वनडे विश्व कप 2027 तीन देशों में खेला जाएगा, जिसमें साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे की जगह पक्की है, नामीबिया क्वालीफायर से आएगा और बाकी टीमें आईसीसी रैंकिंग के आधार पर तय होंगी। टूर्नामेंट में कुल 14 टीमें खेलेंगी, जिससे यह क्रिकेट का एक बड़ा और रोमांचक इवेंट बनने जा रहा है।

रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' 24 घंटे चलने वाली फिल्मों की लिस्ट में शामिल

यूनिक समय, नई दिल्ली। रणवीर सिंह स्टारर फिल्म 'धुरंधरः द रिवेंज' (धुरंधर 2) रिलीज से पहले ही रिकॉर्ड तोड़ रही है। एडवांस बुकिंग के जरिए फिल्म ने भारत में लगभग 15 लाख टिकट बेच दिए हैं, जिनमें से आधे 'पेड प्रीव्यू' के लिए हैं। लंबे रनटाइम के बावजूद सिनेमाघरों ने देर रात और आधी रात के बाद शो जोड़ दिए हैं, जिससे यह फिल्म 24 घंटे चलने वाली चुनिंदा फिल्मों में शामिल हो गई है।

मुंबई के प्रतिष्ठित मराठा मंदिर सिनेमाघर ने भी अपनी परंपरा बदली, जहां 30 साल से लगातार सुबह 11.30 बजे चलने वाली डीडीएलजे का स्लॉट बदलकर धुरंधर 2 को दिया गया। फिल्म ने एडवांस बुकिंग में 35 करोड़ रुपये कमाए और अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी उत्तरी अमेरिका में 5 मिलियन डॉलर की कमाई की। वैश्विक स्तर पर फिल्म का एडवांस कलेक्शन 125 करोड़ रुपये को पार कर चुका है।

आदित्य धर निर्देशित इस स्पाय–थ्रिलर में रणवीर सिंह के साथ आर. माधवन, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, सारा अर्जुन और राकेश बेदी नजर आएंगे। पहले भाग में खलनायक भूमिका निभाने वाले अक्षय खन्ना इस बार कैमियो में दिख सकते हैं। ट्रेड एनालिस्ट्स का अनुमान है कि यह सीक्वल दुनिया भर में 2000 करोड़ रुपये का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन कर सकता है और आमिर खान की 'दंगल' का रिकॉर्ड तोड़कर भारतीय सिनेमा की सबसे सफल फिल्म बन सकती है। फिल्म 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

लियाम लिविंगस्टोन ने इंग्लैंड क्रिकेट में टीम से बाहर किए जाने पर लगाए गंभीर आरोप

यूनिक समय, नई दिल्ली। इंग्लैंड के ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन ने टीम प्रबंधन और कोच ब्रैंडन मैकुलम पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें मार्च 2025 में खराब फॉर्म के कारण टीम से बाहर करने की सूचना सिर्फ एक मिनट से कम समय के फोन कॉल के जरिए दी गई। लिविंगस्टोन ने चयनकर्ता ल्यूक राइट और कप्तान हैरी ब्रूक के साथ संवाद की कमी का भी जिक्र किया।

लिविंगस्टोन ने ईएसपीएन–क्रिकइन्फो को बताया कि मैकुलम ने उन्हें केवल यह कहा कि किसी और को मौका देना है। वहीं, ईसीबी के प्रबंध निदेशक रॉब की से संपर्क की कमी और उत्तर न मिलने का अनुभव उन्हें आंखें खोल देने वाला लगा। उनका मानना है कि टीम माहौल में खिलाड़ियों के साथ व्यवहार असमान है, जो टीम में हैं उन्हें ध्यान मिलता है, जबकि बाहर होने पर किसी की परवाह नहीं होती। 2025 के चैंपियंस ट्रॉफी में भी लिविंगस्टोन ने संघर्षों का सामना किया। जब उन्होंने कोचिंग स्टाफ से मदद मांगी, तो उन्हें कहा गया कि वह "बहुत ज्यादा परवाह कर रहे हैं" और "थोड़ा शांत रहें, सब ठीक हो जाएगा।" लिविंगस्टोन का कहना है कि खिलाड़ी का चिंतित होना स्वाभाविक है, खासकर जब प्रदर्शन अच्छा नहीं हो। लिविंगस्टोन का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच फरवरी 2025 में भारत के खिलाफ था। तब से टी20 सेटअप में उनकी जगह विल जैक्स ने ले ली है।

लगातार खराब फॉर्म और टीम से बाहर होने के कारण उनकी वापसी फिलहाल मुश्किल नजर आ रही है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि वह अपने खेल पर ध्यान दे रहे हैं और भविष्य में मौके की उम्मीद अभी भी बनाए रखेंगे।

सूर्या की फिल्म 'विश्वनाथ एंड संस' सिनेमाघरों और ओटीटी पर होगी रिलीज

यूनिक समय, नई दिल्ली। साउथ सुपरस्टार सूर्या की तेलुगु फिल्म 'विश्वनाथ एंड संस' का टीजर 16 मार्च को रिलीज हो गया। वेंकी एटलुरी निर्देशित इस फिल्म में सूर्या 'संजय विश्वनाथ' की भूमिका निभा रहे हैं, जो 40 की उम्र के मंझे हुए पिस्टल शूटर हैं। ममिता बैजू 'मैडी' के किरदार में नजर आ रही हैं, जो चमक–दमक और आलीशान जीवनशैली की शौकीन हैं। टीजर उनके अलग दुनिया के मिलन और अनपेक्षित रोमांस को दर्शाता है। फिल्म जुलाई 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी और थियेट्रिकल रन के बाद इसे नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किया जाएगा। सूर्या ने फिल्म में अपनी आवाज में डब किया है, जिससे फैंस सोशल मीडिया पर खुशी जता रहे हैं। फिल्म में राधिका सरथकुमार और रवीना टंडन भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। निर्माण सितारा एंटरटेनमेंट्स और फॉर्च्यून फोर सिनेमाज के बैनर तले हुआ है। संगीत जीवी प्रकाश कुमार, सिनेमैटोग्राफी निमिष रवि ने संभाली है। फिल्म तकनीकी रूप से मजबूत और दक्षिण सिनेमा में मील का पत्थर साबित हो सकती है।

'ना जाने कौन आ गया' : आधुनिक रिश्तों की कड़वी सच्चाई पर आधारित लव स्टोरी

यूनिक समय, नई दिल्ली। फिल्म 'ना जाने कौन आ गया' आधुनिक प्रेम और रिश्तों की जटिलताओं को संवेदनशील ढंग से पेश करती है। निर्देशक विकास अरोड़ा ने कहानी को परिपक्व नजरिए से दिखाया है, जिसमें प्यार केवल साथ रहने का नाम नहीं, बल्कि समझ, समय देने और भावनाओं की गहराई को निभाने का प्रतीक है।

कहानी जतिन सरना और मधुरिमा रॉय की खूबसूरत प्रेम कहानी से शुरू होती है। उनके बीच की केमिस्ट्री स्वाभाविक और भावनात्मक रूप से आकर्षक है। जैसे ही प्रणय पचौरी का किरदार प्रवेश करता है, कहानी एक जटिल लव ट्रायंगल में बदल जाती है, जो आत्म–सम्मान, असुरक्षा और भावनात्मक संघर्ष को उजागर करती है। अभिनय की बात करें तो जतिन सरना ने 'कुशल' के किरदार में गहराई और सच्चाई भरी है। उनके चेहरे के भाव और संवादों की प्रस्तुति दर्शकों को किरदार के दर्द और द्वंद्व से जोड़ती है।

प्रणय पचौरी और मधुरिमा रॉय ने भी अपने किरदारों को प्रभावी और विश्वसनीय ढंग से निभाया है, जिससे कहानी में इमोशनल ट्विस्ट्स सहज और प्रभावी बनते हैं। संगीत फिल्म की भावनात्मक धारा को बढ़ाता है, और टाइटल ट्रैक 'ना जाने कौन आ गया' मधुर और यादगार है। फिल्म आज के युवा दर्शकों के लिए खास है, क्योंकि यह डिजिटल दुनिया में उलझते रिश्तों की सच्चाई और जटिलताओं को स्पष्ट करती है। जतिन सरना का दमदार अभिनय, परिपक्व निर्देशन और सादगी इसे देखने लायक बनाते हैं। यह फिल्म सिर्फ रोमांस नहीं, बल्कि आज के मॉडर्न लव की गहनता और चुनौती दिखाती है।

राजपाल यादव की ये फिल्म विराट कोहली की फेवरेट

यूनिक समय, नई दिल्ली। कॉमेडी किंग राजपाल यादव ने अपनी अदाकारी और शानदार कॉमिक टाइमिंग से हिंदी सिनेमा में अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने 'मालामाल वीकली', 'चुप चुप के' और 'भूल भुलैया' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय का जादू दिखाया। उनके करियर की एक खास फिल्म है 'ढोल', जिसे देखकर हंसी रोकना नामुमकिन है।

भारतीय क्रिकेट स्टार विराट कोहली ने भी इंटरव्यू में बताया कि 'ढोल' उनकी फेवरेट फिल्म है। खासतौर पर फिल्म का पान वाला सीन और राजपाल यादव का डायलॉग-"थूक"-को देखकर उनका हंसते–हंसते पेट दर्द हो गया। कोहली ने कहा कि यह फिल्म वह बार-बार देख सकते हैं और हर बार हंसी नहीं रुकती।

राजपाल यादव की यह कॉमिक जादू और उनके एक्सप्रेशन दर्शकों को हर उम्र में हंसाते हैं। फिल्म 'ढोल' आज भी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है और कॉमेडी प्रेमियों के लिए मनोरंजन का खजाना साबित हो रही है।

वैभव सूर्यवंशी राजस्थान रॉयल्स के कैंप में शामिल

आईपीएल 2026 ट्रॉफी जीतने की जताई इच्छा

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के आगाज से पहले राजस्थान रॉयल्स ने अपने कैंप में युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को शामिल किया है। टूर्नामेंट 28 मार्च से शुरू होने वाला है और सभी टीमें जोर–शोर से तैयारी में जुटी हैं। राजस्थान रॉयल्स के इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किए गए एक वीडियो में वैभव को अपनी डायरी में इच्छाओं की सूची लिखते देखा गया। उन्होंने पहले की लिखी वर्ल्ड कप ट्रॉफी और आईपीएल शतक की इच्छाएं काटकर केवल "आईपीएल ट्रॉफी" लिखी, जिससे स्पष्ट हुआ कि वह इस सीजन राजस्थान रॉयल्स के लिए ट्रॉफी जीतने पर फोकस कर रहे हैं।

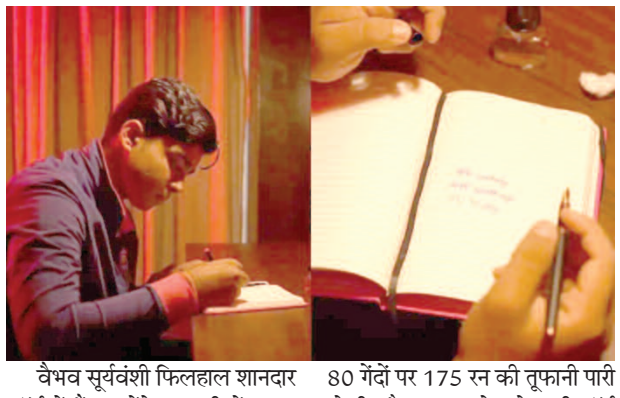

वैभव सूर्यवंशी फिलहाल शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने हाल ही में भारत की अंडर–19 टीम को वर्ल्ड कप जीतने में अहम भूमिका निभाई। इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में उन्होंने 80 गेंदों पर 175 रन की तूफानी पारी खेली और 15 छक्के जड़े। यही फॉर्म वह आईपीएल 2026 में भी जारी रखना चाहेंगे। वैभव का आईपीएल डेब्यू पिछले सीजन में हुआ था और वह महज 14 साल 23 दिन की उम्र में खेलते हुए आईपीएल इतिहास के सबसे युवा खिलाड़ी बने। जयपुर में गुजरात टाइटंस के खिलाफ उन्होंने 38 गेंदों में 101 रन बनाए, जिसमें 11 छक्के शामिल थे।

उनका यह शतक आईपीएल का दूसरा सबसे तेज शतक रहा। इस सीजन में उन्होंने 7 मैचों में 252 रन बनाए, औसत 36 की रही। आईपीएल 2026 में वैभव सूर्यवंशी राजस्थान रॉयल्स के लिए अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी और रिकॉर्ड बनाने की कोशिश करेंगे, साथ ही टीम को ट्रॉफी दिलाने का भी लक्ष्य रखते हैं।

सलीम खान स्वास्थ्य में सुधार के बाद अस्पताल से घर लौटे

यूनिक समय, नई दिल्ली। सलमान खान के पिता और प्रसिद्ध पटकथा लेखक सलीम खान को लगभग एक महीने अस्पताल में रहने के बाद छुट्टी मिल गई है। 90 वर्षीय सलीम खान पिछले महीने माइनर ब्रेन हेमरेज के कारण मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती हुए थे। अस्पताल में उन्हें कुछ समय वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया और डीएसए नामक विशेष प्रक्रिया अपनाई गई, जिससे उनका स्वास्थ्य बेहतर हुआ। उन्हें किसी बड़ी सर्जरी की आवश्यकता नहीं पड़ी और उपचार के प्रति उन्होंने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। अस्पताल में भर्ती रहते हुए उनका पूरा परिवार उनके साथ खड़ा रहा। बेटे सलमान खान, अरबाज खान, बेटियां अलविरा और अर्पिता, दामाद अतुल अग्निहोत्री और आयुष शर्मा नियमित रूप से उनका स्वास्थ्य देखने आते रहे। दिग्गज लेखक जावेद अख्तर ने भी उनसे मुलाकात कर शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

सांसद चंद्रशेखर के बयान से सियासत गरमाई

हम चमड़ा उतारना भी जानते हैं और उसका जूता बनाकर पीटना भी

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ में आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद का एक बयान इन दिनों तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने प्रदेश की सियासत में हलचल बढ़ा दी है। विधानसभा चुनाव से पहले अलग-अलग जिलों में जनसभाएं कर रहे चंद्रशेखर ने मीडिया से बातचीत के दौरान एक तीखा बयान दिया, जिस पर अब राजनीतिक प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

अपने बयान में उन्होंने कहा कि "हम चमड़ा उतारना भी जानते हैं और उसका जूता बनाकर पीटना भी जानते हैं।" हालांकि उन्होंने किसी व्यक्ति या संगठन का नाम नहीं लिया, लेकिन माना जा रहा है कि यह बयान हाल ही में दिए गए एक विरोधी टिप्पणी के जवाब में आया है। इससे पहले एक संगठन के पदाधिकारी ने उन्हें बाराबंकी में प्रवेश न करने देने की बात कही थी।

चंद्रशेखर ने अपने बयान के साथ यह भी स्पष्ट किया कि उनका विश्वास संविधान में है और वे उसी के दायरे में रहकर संघर्ष करते हैं। उन्होंने कहा कि वे सज्जन लोग हैं, लेकिन अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना भी जानते हैं। उनका यह बयान समर्थकों के बीच जोश भरने वाला माना जा रहा है, वहीं विरोधी इसे विवादित बता रहे हैं।

बाराबंकी में आयोजित एक बड़ी जनसभा को संबोधित करते हुए चंद्रशेखर ने प्रदेश सरकार पर भी तीखे आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि बहुजन समाज से छीनी गई सत्ता को वापस लेने का समय आ गया है और जो लोग रास्ता रोक रहे हैं, उनका हिसाब भविष्य में किया जाएगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि आने वाले समय में बहुजन समाज का प्रतिनिधित्व राष्ट्रीय स्तर पर और मजबूत होगा। प्रदेश में कानून-व्यवस्था को लेकर भी उन्होंने सवाल उठाए और कई घटनाओं का जिक्र करते हुए सरकार की कार्यशैली पर निशाना साधा। उनका कहना था कि अपराध की घटनाएं बढ़ रही हैं, लेकिन सत्ता से जुड़े लोगों पर कार्रवाई नहीं हो रही। कुल मिलाकर, चंद्रशेखर आजाद का यह बयान चुनावी माहौल में नई बहस को जन्म दे रहा है और आने वाले दिनों में इसका राजनीतिक असर देखने को मिल सकता है

ससुराल में युवक ने फांसी लगाकर दी जान, पास मिला खाना

यूनिक समय, आगरा। थाना सैंया क्षेत्र के गांव सराय में एक युवक द्वारा आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान कागारौल थाना क्षेत्र के अकोला निवासी 26 वर्षीय बंटू के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह अपनी पत्नी और दो माह की बच्ची के साथ कैलादेवी से दर्शन कर ससुराल आया था। परिजनों के अनुसार, बंटू 16 मार्च को अपनी पत्नी रश्मि के साथ ससुराल पहुंचा था। सोमवार शाम वह घर से बाहर निकला, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने उसे आसपास काफी तलाश किया, मगर उसका कोई सुराग नहीं मिला।

मंगलवार सुबह गांव के कुछ लोगों ने युवक का शव पेड़ से लटका देखा और इसकी सूचना परिजनों को दी। मौके पर पहुंचे परिजन शव देखकर स्तब्ध रह गए। मृतक के ससुर रामवीर दिवाकर ने शव की पहचान बंटू के रूप में की। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई। जांच के दौरान पुलिस को शव के पास एक प्लास्टिक की थैली में खाना और सलाद रखा मिला, जिससे मामला और भी रहस्यमय हो गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पत्नी रश्मि का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया गया कि बंटू की शादी करीब डेढ़ साल पहले हुई थी और परिवार में कोई बड़ा विवाद सामने नहीं आया है। पुलिस अब आत्महत्या के पीछे के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

लोहिया अस्पताल में मरीज की मौत पर बवाल और तोड़फोड़

यूनिक समय, लखनऊ। डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में मंगलवार सुबह गंभीर हालत में भर्ती एक मरीज की मौत के बाद अस्पताल में हंगामा मच गया। 45 वर्षीय पुरुष को निमोनिया की शिकायत पर इमरजेंसी में भर्ती कराया गया था।

संस्थान के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो. विक्रम सिंह ने बताया कि मरीज की हालत गंभीर थी और उसे इंट्यूबेट करने की जरूरत थी। लेकिन सुबह साढ़े पांच बजे परिजनों ने लिखित में इसका विरोध कर दिया। स्थिति और बिगड़ने पर साढ़े छह बजे उन्हें सहमति दी, तब तक मरीज की हालत और भी गंभीर हो चुकी थी। तमाम प्रयासों के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका।

मृत्यु के बाद परिजन गुस्से में आ गए और अस्पताल में तोड़फोड़ एवं मारपीट करने लगे। अस्पताल प्रशासन ने तुरंत सुरक्षा बढ़ा दी और पुलिस को सूचित किया। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी की जा रही है।

इस घटना ने अस्पताल और आसपास के क्षेत्र में तनाव का माहौल पैदा कर दिया। अधिकारियों ने कहा कि मरीज की मृत्यु दुखद है, लेकिन अस्पताल प्रशासन और डॉक्टरों ने हर संभव कोशिश की। घटना से स्वास्थ्य संस्थानों में सुरक्षा और परिवारों की समझौता प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हैं।

अस्पताल प्रशासन ने नागरिकों से संयम बनाए रखने और किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने की अपील की है। मामले की जांच अभी जारी है और आवश्यक कार्रवाई सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर की जाएगी।

गोरखपुर में भाजपा नेता की मॉर्निंग वॉक के दौरान हत्या

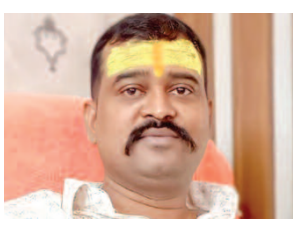

यूनिक समय, गोरखपुर। गोरखपुर के बरगदवा क्षेत्र में मंगलवार की सुबह भाजपा नेता राजकुमार चौहान की निर्मम हत्या ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी। राजकुमार अपनी नियमित मॉर्निंग वॉक पर निकले थे, तभी घात लगाए हमलावरों ने उन पर चाकू से हमला कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हमलावरों ने 50 से 60 बार चाकू से वार कर राजकुमार की मौके पर ही हत्या कर दी।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और अहम साक्ष्य जुटाए। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया, ताकि मौत के कारणों का सटीक पता लगाया जा सके। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि हमलावरों ने योजना बनाकर हमला किया। राजकुमार चौहान भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय सदस्य थे और क्षेत्र में उनकी अच्छी पकड़ मानी जाती थी। इस वजह से हत्या के पीछे राजनीतिक रंजिश की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने इस पहलू पर भी गहन जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने हत्यारों की पहचान और उनके मकसद का पता लगाने के लिए कई टीमें गठित की हैं। टीमें अलग-अलग दिशाओं में काम कर रही हैं ताकि जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार किया जा सके। स्थानीय लोग इस घटना से काफी आहत और भयभीत हैं। बरगदवा और आसपास के इलाकों में तनाव का माहौल है। पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है और गश्त बढ़ा दी है। किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क है। अधिकारियों का कहना है कि जांच निष्पक्ष और त्वरित होगी। राजनीतिक हत्या के इस मामले ने क्षेत्र में सुरक्षा और राजनीतिक तनाव दोनों को बढ़ा दिया है। पुलिस और प्रशासन को उम्मीद है कि जल्द ही अपराधियों का पता चल जाएगा और उचित कार्रवाई की जाएगी। इस हृदय विदारक घटना ने पूरे इलाके को शोक और चिंता में डाल दिया है। स्थानीय जनता प्रशासन से त्वरित न्याय की मांग कर रही है।

अलीगढ़ में 15 करोड़ की लागत से बनेगा मिनी स्टेडियम

यूनिक समय, अलीगढ़। अलीगढ़ नगर निगम शहर में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए 15 करोड़ रुपये की लागत से एक आधुनिक मिनी स्टेडियम बनवाएगा। यह स्टेडियम नौरंगीलाल राजकीय इंटर कॉलेज के पास तैयार किया जाएगा और इसमें क्रिकेट, फुटबॉल, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, वॉलीबॉल समेत कई खेलों की सुविधा होगी।

स्टेडियम में खिलाड़ियों के लिए चेंजिंग रूम, प्रसाधन सुविधाएं और प्रशासनिक भवन का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा इंडोर गेम्स के लिए अलग हॉल और दौड़ने के लिए ट्रैक भी तैयार किया जाएगा। अनुमानित दर्शक क्षमता 500 से 1000 होगी। महापौर प्रशांत सिंघल ने बताया कि यह परियोजना स्थानीय युवाओं की प्रतिभाओं को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। वर्तमान में शहर में स्टेडियम में क्रिकेट फुटबॉल और एथलेटिक्स सुविधाएं होंगी

इंडोर गेम्स के लिए अलग हॉल और ट्रैक तैयार होगा

नगर निगम स्थानीय प्रतिभाओं को निखारने पर जोर देगा

पर्याप्त खेल सुविधाओं की कमी है, जिसके कारण खिलाड़ी अन्य शहरों में प्रशिक्षण लेते हैं। नगर निगम ने डीपीआर तैयार कर शासन को भेजने की प्रक्रिया तेज कर दी है। स्वीकृति मिलने के बाद निर्माण कार्य जल्द शुरू हो जाएगा।

गंगा में नाव पर इफ्तार पार्टी करना पड़ा महंगा

यूनिक समय, लखनऊ। वाराणसी में गंगा नदी के बीच नाव पर इफ्तार पार्टी करना कुछ युवकों के लिए भारी पड़ गया। इस मामले में पुलिस ने 14 युवकों को हिरासत में लिया है और उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। घटना के सामने आने के बाद शहर में चर्चा का माहौल बना हुआ है।

मामला तब सामने आया जब एक संगठन के स्थानीय पदाधिकारी ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में आरोप लगाया गया कि कुछ युवक गंगा नदी के बीच नाव पर बैठकर इफ्तार कर रहे थे और इस दौरान उन्होंने चिकन बिरयानी खाई। आरोप है कि भोजन के अवशेष गंगा में फेंक दिए गए, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। शिकायत के साथ एक वीडियो भी साक्ष्य के रूप में पुलिस को सौंपा गया है। आरोप लगाने वालों का कहना है कि इस घटना से लोगों में नाराजगी है और इसे जानबूझकर किया गया कृत्य बताया जा रहा है। इस मामले ने संवेदनशीलता को देखते हुए प्रशासन को सतर्क कर दिया है। कोतवाली थाना प्रभारी के अनुसार, तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और 14 युवकों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच निष्पक्ष रूप से की जाएगी और जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही नाव चालक की भूमिका की भी जांच की जा रही है। यदि उसकी लापरवाही सामने आती है तो उसके लाइसेंस पर भी कार्रवाई हो सकती है। प्रशासन का कहना है कि गंगा नदी की पवित्रता बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है और इस तरह की घटनाओं को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

14 युवक हिरासत में

फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच में जुटी हुई है। आने वाले समय में जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

सार संक्षेप

लोकसभा में आठ विपक्षी सांसदों का निलंबन रद्द

यूनिक समय, नई दिल्ली। लोकसभा से विपक्ष के आठ सांसदों का निलंबन रद्द कर दिया गया है। इन सांसदों को बजट सत्र के पहले चरण में सदन की अवमानना के आरोप में निलंबित किया गया था। निलंबन खत्म होने वालों में कांग्रेस के मणिकम टैगोर, अमरिंदर सिंह राजा वडिंग, गुरजीत सिंह औजला, हिबी ईडन, डीन कुरियाकोस, प्रशांत पडोले और किरण कुमार रेड्डी शामिल हैं। इनके अलावा माकपा के एस. वेंकटेशन भी इस सूची में हैं। निलंबन के बाद ये सांसद संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन कर रहे थे।

स्टंट करते समय पिस्टल से चली गोली, युवक की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के दल्लूपुरा में पवन कुमार नाम के युवक ने स्टंट करते समय अपने ही सीने पर पिस्टल रखकर ट्रिगर दबा दिया, जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। घटना के समय उसका रिश्तेदार हिमांशु वीडियो बना रहा था। गोली सीधे पवन के दिल में लगी। पुलिस ने पिस्तौल, 10 कारतूस और मोबाइल जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

नाइजीरिया में धमाके 10 लोगों मौत सैकड़ों घायल

यूनिक समय, नई दिल्ली। नाइजीरिया के बोर्नो राज्य में सोमवार रात कई जगहों पर धमाके हुए, जिसमें 10 लोगों की मौत और 200 से ज्यादा घायल हुए। विस्फोट मैदुगुरी विश्वविद्यालय अस्पताल के प्रवेश द्वार और दो स्थानीय बाजारों में हुए। सुसाइड बॉम्बर शामिल होने की आशंका जताई जा रही है। अब तक किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली। घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। बोर्नो के गवर्नर ने हमलों की कड़ी निंदा की।

अबू धाबी में मिसाइल हमले से एक की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में बानी यास क्षेत्र में एक बैलिस्टिक मिसाइल के छर्रे से एक व्यक्ति की मौत हो गई। यह हमले ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के दौरान हुए। अबू धाबी में मरने वालों की संख्या आठ हो गई है। दुबई और दोहा में भी मिसाइल हमलों की चेतावनी मिली, जबकि बगदाद में अमेरिकी दूतावास पर ड्रोन हमले रोक दिए गए।

दिल्ली में एलपीजी रिसाव से ढाई साल की बच्ची की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के गाजीपुर इलाके में आशीर्वाद अपार्टमेंट में एलपीजी रिसाव के कारण ढाई साल की बच्ची की मौत हो गई, जबकि उसकी सात साल की बहन बेहोश हो गई। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने जांच के बाद पुष्टि की कि मौत का कारण गैस लीक था। बच्ची के पिता ने बताया कि घर में गैस की बदबू फैल रही थी। घटना से परिवार में कोहराम मचा और परिजन रो-रोकर बेहाल हैं।

काबुल में अस्पताल पर हवाई हमला

हमले में 400 लोगों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में सोमवार की देर रात हुए एक भीषण हवाई हमले ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया है। इस हमले में एक बड़े नशा मुक्ति अस्पताल को निशाना बनाया गया, जिसमें सैकड़ों मरीज इलाज करा रहे थे। अफगान सरकार के अनुसार इस हमले में लगभग 400 लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 250 लोग घायल बताए जा रहे हैं।

अफगान सरकार के उप प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत के मुताबिक हमला स्थानीय समयानुसार रात करीब नौ बजे काबुल स्थित उमर नशा मुक्ति उपचार अस्पताल पर हुआ। यह अस्पताल करीब दो हजार बिस्तरों की क्षमता वाला एक बड़ा चिकित्सा केंद्र था। हमले के बाद अस्पताल का बड़ा हिस्सा पूरी तरह तबाह हो गया और पूरे परिसर में आग लग गई। बचाव दल मलबे के बीच फंसे लोगों को निकालने में जुटे हुए हैं। फितरत ने इस घटना को बेहद दर्दनाक बताते हुए कहा कि "उम्मीद का अस्पताल सपनों का कत्लखाना बन गया।" सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में धुएं के गुबार, जले हुए ढांचे और मलबे के बीच लोगों को तलाशते बचावकर्मी दिखाई दे रहे हैं। यह दृश्य किसी युद्ध क्षेत्र से कम नहीं लग रहा। अफगानिस्तान ने इस हमले के लिए सीधे पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया है। हालांकि पाकिस्तान ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। पाकिस्तान के अधिकारियों का कहना है कि उनकी कार्रवाई केवल सैन्य ठिकानों और आतंकी ढांचों के खिलाफ थी और किसी अस्पताल को निशाना नहीं बनाया गया। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई "गजब लिल हक" नामक अभियान के तहत की गई। यह अभियान फरवरी के अंत में शुरू हुआ था, जब पाकिस्तान ने सीमा पार से हो रहे हमलों के जवाब में सख्त कार्रवाई का फैसला किया था। इसके बाद से दोनों देशों के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। दरअसल, पाकिस्तान लंबे समय से अफगानिस्तान पर आरोप लगाता रहा है कि वहां पाकिस्तान विरोधी आतंकी समूहों को पनाह दी जा रही है। वहीं अफगानिस्तान इन आरोपों को खारिज करता रहा है। हाल के दिनों में ड्रोन हमलों और सीमा पार हमलों के आरोपों ने स्थिति को और ज्यादा गंभीर बना दिया है। इस घटना के बाद तालिबान सरकार ने इसे मानवता के खिलाफ अपराध बताते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

250 लोग गंभीर रूप से घायल

अफगानिस्तान ने इस हमले के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया

हमले के बाद तालिबान की पाकिस्तान को चेतावनी

यूनिक समय, नई दिल्ली। काबुल में एक नशा मुक्ति अस्पताल पर हुए हवाई हमले के बाद अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी है। तालिबान के प्रवक्ता सुहैल शाहीन ने कहा कि यदि हमले जारी रहे तो पाकिस्तान को उसकी ही भाषा में जवाब दिया जाएगा। शाहीन के अनुसार सोमवार रात करीब 9 बजे काबुल स्थित 2000 बिस्तरों वाले पुनर्वास अस्पताल पर हवाई हमला हुआ, जिसमें कम से कम 400 मरीजों की मौत हो गई और 250 से अधिक लोग घायल हो गए। हालांकि पाकिस्तान ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि उसकी कार्रवाई केवल सैन्य ठिकानों और आतंकी ढांचों के खिलाफ थी।

हैदराबाद में मिलावटी खाद्य पदार्थ बनाने का खुलासा, दो लोग गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। हैदराबाद में मिलावटी खाद्य पदार्थ बनाने का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। पुलिस ने नियमों का उल्लंघन कर गंदगी भरे माहौल में खाने-पीने की चीजें तैयार करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इस मामले से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें शौचालय के पास खाद्य पदार्थ बनाते हुए देखा गया।

पुलिस के अनुसार सुभान कॉलोनी और लक्ष्मीगुडा इलाके में कार्रवाई करते हुए लकी फूड्स कंपनी के मालिक अब्दुल हक और जी फूड्स के मालिक मोहम्मद कमरुद्दीन को गिरफ्तार किया गया। इन पर मिलावटी खाद्य पदार्थ बनाने और स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने का आरोप है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने करीब 1.10 लाख रुपये की संपत्ति भी जब्त की है। यह जानकारी राजेंद्रनगर जोन के पुलिस उपायुक्त ने दी। जांच के दौरान पता चला कि खाने-पीने के सामान बेहद गंदगी वाले माहौल में तैयार किए जा रहे थे। शौचालय के पास बिना किसी साफ-सफाई की व्यवस्था के खाद्य पदार्थ बनाए जा रहे थे, जिससे लोगों की सेहत को गंभीर खतरा हो सकता था। पुलिस ने कहा कि इस तरह के मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन का कहना है कि मिलावटी और अस्वच्छ खाद्य पदार्थ बनाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जरूरी है, क्योंकि ऐसे उत्पाद लोगों के स्वास्थ्य के लिए बेहद नुकसानदायक साबित हो सकते हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट से हिमायनी पुरी को राहत, एपस्टीन से जुड़े कंटेंट पर रोक

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की बेटी हिमायनी पुरी को बड़ी राहत देते हुए उनके खिलाफ कथित मानहानिकारक कंटेंट के प्रकाशन पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने मेटा सहित सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि प्रथम दृष्टया मामले में हिमायनी पुरी का पक्ष मजबूत प्रतीत होता है। यदि इस तरह की सामग्री के प्रकाशन को नहीं रोका गया तो उन्हें अपूरणीय क्षति हो सकती है। इसी आधार पर कोर्ट ने अंतरिम निषेधाज्ञा जारी की। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत के आईपी एड्रेस से अपलोड किए गए वीडियो या सामग्री पर यह आदेश सीधे लागू होगा, जबकि विदेश से अपलोड किए गए यूआरएल को भारत में ब्लॉक किया जाएगा। मामले की अगली सुनवाई सात अगस्त को होगी।

संयुक्त राष्ट्र में भारत ने पाकिस्तान को जमकर लताड़ा

यूनिक समय, नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत ने पाकिस्तान की कड़ी आलोचना करते हुए उस पर झूठे आरोप लगाने और काल्पनिक कहानियां गढ़ने का आरोप लगाया। भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वतनेनी हरीश ने कहा कि इस्लामोफोबिया के नाम पर पाकिस्तान बार-बार भारत को बदनाम करने की कोशिश करता है, जो उसकी पुरानी आदत बन चुकी है।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के खिलाफ झूठे और बेबुनियाद आरोप लगाने के लिए इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) का भी इस्तेमाल करता रहा है। भारत ने सवाल उठाया कि जब पाकिस्तान अपने ही देश में अहमदिया मुस्लिम समुदाय के साथ क्रूर व्यवहार करता है और लाखों अफगान शरणार्थियों को जबरन वापस भेजता है, तो उसे क्या कहा जाना चाहिए।

भारत ने यह भी कहा कि रमजान के पवित्र महीने में अफगानिस्तान में हवाई हमले करना बेहद चिंताजनक है। हरीश ने जोर देकर कहा कि भारत में जम्मू-कश्मीर सहित पूरे देश में 20 करोड़ से अधिक मुस्लिम आबादी स्वतंत्र रूप से अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करती है और सभी धर्मों के लोग शांतिपूर्वक साथ रहते हैं। भारत ने संयुक्त राष्ट्र से अपील की कि वह धार्मिक पहचान के राजनीतिक दुरुपयोग पर गंभीरता से ध्यान दे और सभी धर्मों के लोगों के अधिकारों की समान रूप से रक्षा सुनिश्चित करे।

देश में सरसों उत्पादन का अनुमान 117 लाख टन, उत्तर प्रदेश दूसरे स्थान पर

राजस्थान सबसे आगे

राजस्थान में करीब 54 लाख टन

उत्तर प्रदेश में लगभग 19 लाख टन

मध्य प्रदेश में करीब 13 लाख टन

यूनिक समय, नई दिल्ली। देश में रबी सीजन के दौरान सरसों के उत्पादन में इस वर्ष बढ़ोतरी का अनुमान लगाया गया है। कृषि विशेषज्ञों के मुताबिक 2025-26 सीजन में देश में कुल सरसों उत्पादन लगभग 117 लाख टन तक पहुंच सकता है। यह पिछले वर्ष की तुलना में करीब छह लाख टन अधिक माना जा रहा है।

सरसों उत्पादन में उत्तर प्रदेश देश में दूसरे स्थान पर है, वहीं राजस्थान सबसे आगे बना हुआ है। कुल उत्पादन में राजस्थान की हिस्सेदारी लगभग 46 प्रतिशत बताई जा रही है। राज्य में बड़े क्षेत्र में सरसों की खेती होने और अनुकूल मौसम के कारण उत्पादन में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। अनुमानों के अनुसार राजस्थान में करीब 54 लाख टन सरसों उत्पादन होने की संभावना है। इसके बाद उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और हरियाणा जैसे राज्य प्रमुख उत्पादकों में शामिल हैं। उत्तर प्रदेश में लगभग 19 लाख टन, मध्य प्रदेश में करीब 13 लाख टन और हरियाणा में लगभग 12.5 लाख टन सरसों उत्पादन का अनुमान लगाया गया है। इसके अलावा गुजरात में करीब 5.85 लाख टन, पश्चिम बंगाल में लगभग 5 लाख टन और अन्य राज्यों में मिलाकर करीब 6.65 लाख टन सरसों उत्पादन होने का अनुमान है। इस तरह देशभर में कुल उत्पादन 117 लाख टन के आसपास रहने की संभावना जताई गई है।

विशेषज्ञों का कहना है कि इस वर्ष सरसों की खेती का रकबा भी बढ़ा है। पिछले साल की तुलना में लगभग तीन लाख हेक्टेयर अधिक क्षेत्र में सरसों की बुवाई की गई है। इससे उत्पादन में वृद्धि की उम्मीद और मजबूत हो गई है। जानकारों के अनुसार अगर मौसम अनुकूल बना रहता है और फसल को किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा का सामना नहीं करना पड़ता, तो वास्तविक उत्पादन अनुमान से भी बेहतर हो सकता है। बढ़ते उत्पादन से खाद्य तेल की उपलब्धता बढ़ेगी और आयात पर निर्भरता कम करने में भी मदद मिल सकती है।

सिलेंडर के लिए लाइनों में बीता लोगों का दिन

संवाददाता

यूनिक समय, नौहझील। कस्बे की श्री कृष्ण बल्देव गैस एजेंसी पर मंगलवार को रसोई गैस के लिए मची त्राहि–त्राहि के बीच उपभोक्ताओं का धैर्य जवाब दे गया। सुबह की पहली किरण के साथ ही एजेंसी के बाहर लगी लंबी कतारें शाम ढलने तक खत्म होने का नाम नहीं ले रही थीं। आलम यह है कि एक तरफ बुकिंग पोर्टल का सर्वर डाउन होने से उपभोक्ताओं का पसीना छूट रहा है। दूसरी तरफ बिना डीएसी कोड के सिलेंडर न मिलने के नियम ने संकट खड़ा कर दिया। इसकी आड़ में कालाबाजारी करने वाले लोग सक्रिय

सर्वर डाउन होने के कारण भी हो रही है परेशानी

दो हजार रुपये तक पहुंची गैस सिलेंडर की कीमत

हो गए। ये लोग ग्राहकों की मजबूरी का फायदा उठाकर एक सिलेंडर के 15 सौ रुपये से 2 हजार रुपये तक वसूल रहे हैं। गैस की यह किल्लत सिर्फ घरों तक सीमित नहीं है, बल्कि कस्बे के चाय, चाट और नाश्ते के ठेलों पर भी कमर्शियल सिलेंडर की अनुपलब्धता के कारण घरेलू सिलेंडरों का ही सहारा लिया जा रहा है। संकट का सबसे मार्मिक चेहरा उपभोक्ता रीना देवी के शब्दों में झलका। उन्होंने बताया कि उनका घर पक्का है और तीन दिन से गैस खत्म होने के कारण घर में चूल्हा तक नहीं जला है। धुएं और ईंधन के अभाव में वह पड़ोसियों से सिलेंडर मांगकर बच्चों का पेट भर रही हैं, लेकिन पिछले 5 दिनों से पोर्टल बिजी होने के कारण वह अपना सिलेंडर बुक नहीं कर पा रही हैं। ग्रामीण हरपाल और अर्जुन का दर्द भी कुछ ऐसा ही है। बुकिंग तो हो गई पर मोबाइल पर डीएसी कोड का संदेश नहीं आया, जिसके बिना एजेंसी संचालक ने सिलेंडर देने से साफ इनकार कर दिया है। दो घंटे से लाइन में खड़ी शिवानी ने शासन और प्रशासन की व्यवस्थाओं पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनके घर में सिलेंडर मुश्किल से 25 दिन चलता है, लेकिन अब एजेंसी 45 दिन का नियम बता रही है। चूल्हा जलाने का हुनर न होने के कारण उनके पास ब्लैक में गैस खरीदने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। गैस एजेंसी संचालक महेश कांत पांडे का कहना है कि एजेंसी पर गैस की कोई कमी नहीं है, लेकिन नियमों की बाध्यता है। बिना डीएसी कोड के सिलेंडर जारी नहीं किया जा सकता और अब उपभोक्ताओं को 45 दिन के अंतराल पर ही सिलेंडर मिल सकेगा।

अधिग्रहित की गई भूमि को किसानों के नाम कराने की मांग

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। किसानों को खेतो की सिंचाई करने के लिए बनाई जाने वाली हुलवाना ड्रेन के लिए सिंचाई विभाग द्वारा अधिग्रहित की गई आठ ग्राम सभाओं की 227 एकड़ भूमि को उपयोग ड्रेन के निर्माण नही हो सका। इसके चलते किसानों को उनकी भूमि को शासन के आदेश के बावजूद वापस नहीं किया जा रहा है।

मथुरा जिले में हरियाणा से आने वाली हुलवाना ड्रेन के निर्माण के लिए तहसील गोवर्धन और मथुरा तहसील के आठ ग्राम सभा जिसमें पिलुआ सादिकपुर, इकदंता, मुई उद्दीनपुर, सेरसा, नगला अबुआ, माल, सोनीठ सुपाली व मगोर्रा के किसानों की कृषि योग भूमि को ड्रेन के निर्माण के लिए सिंचाई विभाग को अधिग्रहित कराया गया था। किसानों को इसका मुआवजा भी दिया जाना था। कुछ किसानों ने अपनी भूमि का मुआवजा ले लिया। अधिकांश किसानों ने मुआवजा नहीं लिया। इस दौरान ड्रेन को लेकर किसानों द्वारा किए गए 1978–79 में किए गए विरोध के चलते इस ड्रेन के निर्माण कार्य को तत्कालीन सिंचाई मंत्री ने 4 नवंबर 1980 को इस परियोजना को बंद कर दिया। ड्रेन का आगे निर्माण का कार्य न होने के कारण किसानों की अधिग्रहित 227, 17 एकड़ भूमि उनके पास ही रही। किसान उस पर खेती करते आ रहे हैं। गोवर्धन क्षेत्र के तत्कालीन विधायक अजय कुमार पोइया ने किसानों की इस मांग को सरकार के समक्ष रखा। सिंचाई मंत्री की बैठक में किसानों की अधिग्रहित की गई इस भूमि को सिंचाई विभाग के नाम से हटाकर किसानों के नाम वापस करने को कहा गया। साथ ही जिन किसानों ने भूमि का मुआवजा ले लिया है उनसे मुआवजे की राशि वापस कराई जाए। इसके बाद से किसानों की अधिग्रहित की गई भूमि रिकॉर्ड में सिंचाई विभाग के नाम ही दर्ज है। इस मामले में गोवर्धन के विधायक मेघश्याम सिंह एडवोकेट ने भी जिला अधिकारी को पत्र लिख कर सचिव मुख्यमंत्री सूर्यपाल गंगवार का 17 फरवरी 2026 का पत्र संलग्न करते प्रकरण की संयुक्त रूप से परीक्षण कर जांच आख्या तत्काल उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए। इस पर जिलाधिकारी ने 8 मार्च 2026 को इस प्रकरण की जांच करके आख्या देने के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए थे। किसानों का कहना है कि इसके बावजूद भी उनकी इस भूमि की जांच अधिकारियों द्वारा नहीं की जा रही है। इस मामले में आज बड़ी संख्या में किसानों ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर डीएम से शीघ्र जांच करा कर सिंचाई विभाग द्वारा अधिग्रहित की गई भूमि को किसानों के नाम कराने की मांग की।

नगर आयुक्त ने निरीक्षण कर तैयारियां पूरी करने पर दिया जोर

राष्ट्रपति के प्रस्तावित आगमन के मद्देनजर वृंदावन में निरीक्षण कर निर्देश देते नगर आयुक्त जगप्रवेश।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। राष्ट्रपति के प्रस्तावित आगमन की तैयारियों के तहत मथुरा–वृंदावन नगर निगम के नगर आयुक्त जग प्रवेश ने आज वृंदावन क्षेत्र में प्रस्तावित भ्रमण स्थलों एवं मार्गों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने विभिन्न व्यवस्थाओं का सूक्ष्म परीक्षण करते हुए स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, सड़कों की स्थिति एवं चल रहे सौंदर्यीकरण कार्यों का अवलोकन किया। सभी व्यवस्थाओं को उत्कृष्ट एवं प्रभावी बनाने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए। इस दौरान मुख्य अभियंता (निर्माण) संजय सिंह, सहायक अभियंता (निर्माण) सोमेश, अवर अभियंता शैलेश आदि साथ थे।

जनता की सुरक्षा को पुलिस का भ्रमण

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। कस्बा में बड़ी संख्या में पुलिस के जवानों ने देर शाम भ्रमण किया। भीड़ भाड़ वाले इलाकों में गश्त बढ़ाई । क्राइम इंस्पेक्टर राम जनम गौतम, कस्बा पुलिस चौकी इंचार्ज राहुल चौधरी, उप निरीक्षक अतर सिंह, अक्षय कुमार, हेड कांस्टेबल इशियाक अली, मनोज कुमार, विशेष कुमार आदि ने भ्रमण किया। जनता को सुरक्षा का भरोसा दिया।

राजस्थान दिवस पर मंदिरों में कल विशेष कार्यक्रम होंगे

यूनिक समय, वृंदावन। राजस्थान दिवस पर 18 मार्च को वृंदावन के अधीन राजकीय प्रत्यक्ष एवं आत्म निर्भर मंदिरों में विशेष साज सज्जा, आतिशबाजी एवं महाआरती होगी। विशेष कार्यक्रम श्री राधामाधव मंदिर वृंदावन एवं कुशल बिहारी मंदिर बरसाना में होंगे। यह जानकारी सहायक आयुक्त की विज्ञप्ति में दी गई।

मथुरा में पशु क्रूरता रोकने के लिए शासन की कमेटी गठित

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। सोसायटी फॉर प्रीवेंशन ऑफ क्रुएलिटी टू एनिमल्स की जिला कार्यकारिणी में नए सदस्यों का नामांकन किया गया है। पशुधन विभाग के अपर मुख्य सचिव मुकेश कुमार मेश्राम ने आठ सदस्यों को समिति में शामिल किया है। इनमें श्रेयस गुजराती (जतीपुरा गोवर्धन), नवीन कुमार (कृष्णा नगर मथुरा), बृजेश चंद्र उपाध्याय (सिविल लाइन मथुरा), राधा कृष्ण (राजपुर वृंदावन), विभोर प्रकाशम (महाविद्या कॉलोनी मथुरा) एवं जगन्नाथ पोद्दार (वृंदावन) को सदस्य नामित किया गया है। उमेश पांडे (श्रीपाद बाबा गौशाला, वृंदावन) एवं ब्रज शरण महाराज शिष्य रमेश बाबा (श्री माताजी गौशाला, बरसाना) को

प्रशासनिक अधिकारियों के साथ पशु प्रेमियों को भी मिली जिम्मेदारी

सदस्य बनाया गया है। यह समिति भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय भारत सरकार के सुझाव के तहत गठित की जाती है, जिसका उद्देश्य पशुओं के प्रति क्रूरता की रोकथाम सुनिश्चित करना है। समिति के पदेन अध्यक्ष जिलाधिकारी तथा उपाध्यक्ष वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक होते हैं। इसके अलावा जिला वन अधिकारी, नगर निगम के नगर आयुक्त, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी एवं अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत भी सदस्य के रूप में शामिल रहते हैं।

द्वारकाधीश मंदिर का समय बढ़ाने की मांग, व्यापारियों ने मुलाकात की

यूनिक समय, मथुरा। ब्रजमंडल में स्थित द्वारकाधीश मंदिर और बांके बिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या पिछले चार–पांच वर्षों में करीब दस गुना तक बढ़ गई है। देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालु अक्सर दोनों मंदिरों के दर्शन का समय एक जैसा मानकर पहुंचते हैं, लेकिन समय में अंतर होने के कारण कई श्रद्धालुओं को द्वारकाधीश मंदिर के दर्शन नहीं मिल पाते और उन्हें निराश होकर लौटना पड़ता है। मंदिर में विभिन्न झांकियों के दौरान भारी भीड़ रहती है, जिससे श्रद्धालुओं को सुगमता से दर्शन नहीं हो पाते। इस स्थिति को देखते हुए उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल महानगर के पदाधिकारियों ने 108 डॉ. बागीश कुमार महाराज (कांकरोली नरेश) से मंदिर में मुलाकात की और उन्हें षष्टीपूर्ति उत्सव की शुभकामनाएं दीं। महानगर अध्यक्ष अजय चतुर्वेदी ने बताया कि मंदिर से जुड़े लगभग 200 व्यापारिक प्रतिष्ठान और करीब 2000 कर्मचारियों के परिवारों का जीवनयापन इसी क्षेत्र के व्यापार पर निर्भर है। वर्तमान में मंदिर शाम 7:30 बजे बंद हो जाता है, जिसके बाद बाजारों में सन्नाटा छा जाता है। व्यापारियों ने मांग की कि मंदिर का समय रात 8:30 बजे तक किया जाए, ताकि श्रद्धालुओं को अधिक समय तक दर्शन मिल सकें और बाजारों में रौनक बनी रहे। इस अवसर पर जिला महामंत्री अंशुल अग्रवाल, महानगर महामंत्री राजेश गोयल, सचिन अरोरा, मीडिया प्रभारी अखिलेश मिश्रा, युवा अध्यक्ष मानिक शर्मा आदि व्यापारी उपस्थित थे।

नगर निगम की जनसुनवाई में जनता की शिकायतें सुनी गई

शिकायतें सुनती सहायक नगर आयुक्त श्रीमती कल्पना चौहान।

यूनिक समय, मथुरा। मंगलवार को भूतेश्वर स्थित नगर निगम कार्यालय में सहायक नगर आयुक्त श्रीमती कल्पना सिंह चौहान, वृंदावन जोनल कार्यालय में सहायक नगर आयुक्त अनुज कौशिक तथा जनरल गंज स्थित नगर निगम मथुरा–वृंदावन कार्यालय में अवर अभियंता जल अजय कुमार ने जनसुनवाई की। सहायक नगर आयुक्त ने सभी की शिकायतों का संज्ञान लेकर सम्बन्धित अधिकारी को कार्यवाही करने को निर्देशित किया। जनसुनवाई के दौरान भूतेश्वर जोन में 10, वृंदावन जोन में 04 शिकायत आई। इस मौके पर अधिशासी अभियंता जल राम कैलाश तथा अवर अभियंता जल अजय आदि उपस्थित थे।

ट्रक को ओवरटेक करते समय टक्कर

पूर्व प्रधानाध्यापक की सड़क हादसे में मौत

यूनिक समय, मथुरा। छटीकरा क्षेत्र में रविवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में छावनी परिषद स्कूल से सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक एवं शिक्षाविद् बृज गोपाल गौतम (66) का निधन हो गया। घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है और शिक्षा जगत में गहरा शोक व्याप्त है। जानकारी के अनुसार, बृज गोपाल गौतम रविवार शाम अपने महर्षि गौतम सीनियर सेकेंडरी स्कूल, छटीकरा से पैदल घर लौट रहे थे। शाम करीब 6:30 बजे नेशनल हाईवे–19 पर अलेहपुर कट के पास एक तेज रफ्तार कार ने ट्रक को पीछे से ओवरटेक करने के प्रयास में नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे चल रहे गौतम को जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि गौतम लगभग 50 मीटर दूर जा गिरे और मौके पर ही उनकी दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद घटना स्थल पर अफरा–तफरी मच गई। राहगीरों और स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई तथा पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात को नियंत्रित करते हुए स्थिति को संभाला। इस भीषण हादसे के कारण नेशनल हाईवे–19 पर करीब दो घंटे तक जाम की स्थिति बनी रही, जिससे वाहनों की लंबी कतार लग गई। बृज गोपाल गौतम छावनी परिषद मथुरा में प्रधानाध्यापक पद से सेवानिवृत्त हुए थे। इसके साथ ही वे महर्षि गौतम सीनियर सेकेंडरी स्कूल, छटीकरा के संस्थापक भी थे।

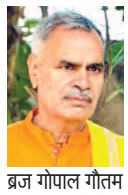

ब्रज गोपाल गौतम (फाइल फोटो)

वृद्धा को नशीला पदार्थ सुंघा कर लूटे जेवरात

यूनिक समय, कोसीकलां (मथुरा)। निकासा इलाके में घर के बाहर बैठी एक वृद्ध महिला को वहां आए दो ठगों में से एक ने अपनी पत्नी के 6 पुत्रियों पर दाई के यहां हुए पुत्र को दुआ देने के नाम फुसला कर रास्ते में नशीला पदार्थ सुंघाकर सोने के जेवरात उतार लिए और चंपत हो गए। वृद्धा को होश आने पर शोर करने पर लोगों को इस घटना की जानकारी हुई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। कोसीकलां के निकासा क्षेत्र की गुरूसगंज मंडी में रहने वाले इकराम की वृद्ध मां मुन्नी आज दोपहर करीब 12 बजे घर के बाहर दरवाजे पर बैठी हुई थी। इसी बीच वहां से गुजरते दो अज्ञात लोगों ने वहां रुक कर वृद्धा से एक व्यक्ति ने कहा कि उसकी पत्नी को छह पुत्रियों के बाद बेटा दाई के यहां पैदा हुआ है। आप बुजुर्ग हैं उसके लिए दाई के यहां चलकर दुआ करें। इस तरह उन लोगों ने वृद्धा को झांसे में लेकर घर से अपने साथ लेकर चल दिए। ठगों ने वृद्धा को रास्ते में कोई नशीला पदार्थ सुंघा कर अचेत कर दिया। इसके बाद उन्होंने वृद्धा के कानों में पहने सोने के कुंडल, गले में पहना सोने का लॉकेट उतारा और वहां

छह बेटियों पर बेटा पैदा होने पर ठगों ने दुआ कराने का दिया झांसा

बाजार में हुई घटना से फैल गई सनसनी

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की शुरू

से भाग गए। कुछ देर बाद जब वृद्धा मुन्नी को होश आया तो उसके कान के कुंडल और गले का लॉकेट गायब था। वृद्धा ने अपने साथ हुई घटना को लेकर शोर किया तो काफी संख्या में लोग वहां एकत्रित हो गए। मां के साथ हुई इस वारदात का पता लगने पर उसका बेटा इकराम भी वहां आ गया। बाजार में इस तरह की हुई वारदात से सनसनी फैल गई। पुलिस को भी इकराम ने घटना के बारे में सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। बताया गया कि वृद्धा के साथ हुई घटना सीसीटीवी केमरों में कैद होना बताया जा रहा है।